रांची, सोमवार
02.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 91 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में केसीपी और यूएनएलएफ के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को अलग-अलग अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) का एक सदस्य तथा यूएनएलएफ (कोइरेंग) के दो सक्रिय कैडर शामिल हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक सूचना में बताया गया कि पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र अंतर्गत खगेमपल्ली पंखा नगानापी थोंग मामांग स्थित उसके आवास से केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) के कैडर लाइशराम मोनिश सिंह उर्फ टॉम (23) को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एक अन्य अभियान में इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपत थाना क्षेत्र के वांगखेई आयांगपल्ली से यूएनएलएफ (कोइरेंग) के दो कैडरों को पकड़ा गया। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट असीम नोंगपोकंगनबा मैतेई उर्फ नांगोइबा (32) तथा थांगजाम गांधी मैतेई उर्फ याइमा (27) के रूप में हुई है। दोनों पर वसूली गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से एक पिस्तौल, दो मैगजीन में भरे 16 जिंदा कारतूस तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

झारखंड में तापमान पहुंचा 36 डिग्री, आनेवाले दिनों में और बढ़ेगा

रांची। राज्य भर में अधिकतम तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके कारण दिन में लोगों को गर्मी महसूस होने लगी है। हालांकि रांची सहित कई जिलों में अभी भी गर्मी का एहसास नहीं हो रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की है। रविवार को सरायकेला में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री और जमशेदपुर में 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं बोकारो में भी तापमान बढ़कर 34.1 डिग्री के स्तर पर पहुंच गया है। इधर, राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री, लातेहार में 26.3 डिग्री और लोहरदगा में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 : ईडन गार्डन्स में संजू सैमसन का तूफान, वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

एजेंसी

कोलकाता : आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मैच के हीरो संजू सैमसन रहे। जिन्होंने नाबाद 97 रन की पारी खेली। वहीं मैच जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी टोपी निकालकर और सिर झुका कर संजू सैमसन का स्वागत किया।

इस मैच में टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इसके साथ ही इस वर्ल्ड कप के लिए सभी 4 सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम तय हो गए हैं।

इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए थे। 196 रन के इस टारगेट को टीम इंडिया ने आखिरी ओवर में हासिल कर लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने नया इतिहास भी रच दिया। यह वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा रन चेज है। वहीं इस मैदान पर भी टी20 इंटरनेशनल में यह सबसे बड़ा रन चेज है।

इससे पहले रॉस्टन चेज (40), जेसन होल्डर (नाबाद 37) और रोवमन पॉवेल (नाबाद 34) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने रविवार को टी-20 विश्वकप में सुपर आठ के आखिरी मुकाबले में भारत को जीत के लिए 196 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान शाई होप और रॉस्टन चेज की सलामी जोड़ी ने पहले 68 रन जोड़े। नौवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने शाई होप को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। शाई होप ने 33 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 32 रन बनाये। इसके बाद 12वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने शिमरॉन हेटमायर 12 गेंदों में 27 रन को और इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर रॉस्टन चेज को भी अपना शिकार बना लिया। रॉस्टन चेज ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 40 रनों की पारी खेली। शरफेन रदरफोर्ड 14 रन बनाकर आउट हुये।

वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 195 रनों का स्कोर खड़ा किया। रोवमन पॉवेल ने 19 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 34) और जेसन होल्डर ने 22 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 37) रनों की पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिये। वरुण चक्रवर्ती तथा हार्दिक पंड्या ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और परिवार के कई सदस्य मारे गए

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि जब तक ईरान में शांति स्थापित नहीं हो जाती, तब हमला जारी रहेगा।

अमेरिकी चैनल सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के कई मीडिया समूहों ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है। इनमें सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की है। आईआरआईबी ने रविवार सुबह बताया, "ईरान के सुप्रीम लीडर शहीद हो गए हैं।"

खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने भी इजराइल पर हमले किए हैं। तेल अवीव में ईरान के हमले में एक महिला की मौत हो गई। इजराइल ने कहा कि अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभियान के शुरूआती हमलों में लक्षित किए गए 30 प्रमुख नेताओं में से कई मारे गए। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई तब तक चलेगी जब तक ईरान के लोग आजाद नहीं हो जाते। इस बीच इजराइल का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है।

यूएई ने 165 बैलिस्टिक मिसाइलें और 541 ड्रोन निष्क्रिय किए, तीन विदेशी नागरिकों की मौत

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरानी हमले की शुरुआत (28 फरवरी, 2026) के बाद से देश की वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम ने अब तक 165 बैलिस्टिक मिसाइलों, दो क्रूज मिसाइलों और 541 ड्रोन का सामना किया है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से अधिकांश खतरों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि कुल 165 बैलिस्टिक मिसाइलों में से 152 को मार गिराया गया, जबकि 13 समुद्र में गिरीं। दो क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया। ड्रोन हमलों के संदर्भ में बताया गया कि 541 में से 506 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर ध्वस्त किया गया, जबकि 35 ड्रोन देश के भीतर गिरे, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा। हमले के दूसरे दिन सुबह यूएई एयर फोर्स और एयर डिफेंस ने 20 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट किया, जबकि आठ मिसाइलें समुद्र में जा गिरीं। इसी दौरान दो क्रूज मिसाइलों और 311 ड्रोन को भी मार गिराया गया। हालांकि, 21 ड्रोन आबादी वाले इलाकों तक पहुंचने में सफल रहे। मंत्रालय के अनुसार, इन घटनाओं में पाकिस्तानी, नेपाली और बांग्लादेशी नागरिकों में से तीन लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा अमीराती, मिस्र, इथियोपियाई, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, ईरानी, भारतीय, बांग्लादेशी, श्रीलंकाई, अजरबैजानी, यमनी, युगांडा, इरिट्रिया, लेबनानी और अफगान नागरिकों सहित कुल 58 लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

खामेनेई की मौत के बाद ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बने अयातुल्ला अराफी

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता के तौर पर काम करेंगे। सरकार से जुड़ी ईरानी छात्र समाचार एजेंसी (आईएसएनए) के अनुसार खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने अपने संविधान के आर्टिकल 111 को लागू कर दिया था, जिससे एक आपातकालीन नेतृत्व व्यवस्था शुरू हो गया था। तीन सदस्यों वाली काउंसिल सर्वोच्च नेता की शक्तियां तब तक संभालेगी, जब तक कि कोई स्थाई उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता। शनिवार को तेहरान पर अमेरिका-इजराइली के हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बनाया गया है।

मध्य पूर्व तनाव से हवाई सेवा प्रभावित, दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व संकट के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर रविवार को 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के कारण विमानन कंपनियां परिचालन संबंधी दिक्कतों से जूझ रही हैं। पश्चिम एशिया में ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर आईजीआईए पर प्रस्थान एवं आगमन से संबंधित क्रमशः 60 और 40 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गई हैं।टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने अब तक विदेश के लिए 50 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस बीच इंडिगो ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर कहा है कि हम मिडिल ईस्ट और आस-पास के इलाकों में हो रहे डेवलपमेंट पर पूरी सावधानी से नजर रख रहे हैं। हम समझते हैं कि यह समय अनिश्चित लग सकता है और हम आपको भरोसा दिलाना चाहते हैं कि हर फैसला सावधानी और समझदारी से लिया जा रहा है।

केंद्र सरकार सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवी मुंबई में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम को आज प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत ह्लजो बोले सो निहाल, सत श्री अकालह्व के उद्घोष के साथ करते हुए उन्होंने कहा कि आज सभी लोग हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर उनका पुण्य स्मरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास शौर्य, समन्वय और सहयोग का इतिहास रहा है तथा महाराष्ट्र की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम उसी महान विरासत का साक्षी है। उनके अनुसार हर वर्ग ने गुरुजी से प्रेरणा लेकर सत्य और संस्कृति के लिए अडिग रहना सीखा।

सिख विरासत को सम्मान पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गुरु साहिबों से जुड़े ऐतिहासिक अवसरों को राष्ट्रीय स्तर पर मना रही है, जिसमें 400वां प्रकाश पर्व, स्मृति डाक टिकट और विशेष सिक्का जारी करना तथा गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व मनाना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने वीर बाल दिवस की शुरूआत की, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण

रिकॉर्ड समय में पूरा किया, हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए सुविधाएं बढ़ाईं तथा सिख संस्थाओं को विभिन्न स्तरों पर राहत प्रदान की। उन्होंने 1984 दंगों की जांच के लिए एसआईटी गठन, मामलों को दोबारा खोलने, पीड़ितों को अतिरिक्त मुआवजा देने और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को सक्रिय बनाने का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सिखों की सुरक्षा के प्रश्न पर सरकार ने मिशन मोड में काम किया, गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को सम्मानपूर्वक वापस लाया और नागरिकता संशोधन कानून के माध्यम से उत्पीड़ित सिख शरणार्थियों को राहत दी।

उन्होंने बताया कि यह समागम एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जिसकी शुरूआत पिछले वर्ष नागपुर से हुई, फिर तख्त श्री हजूर साहिब में इसका विस्तार हुआ और अब नवी मुंबई में यह महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंची है। उन्होंने यात्रा का संदेश महाराष्ट्र के हजारों गांवों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार को बधाई दी।

ईरान में खामेनेई की मौत पर 40 दिन का राजकीय शोक, सात दिन की छुट्टी घोषित

एजेंसी

तेहरान। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की मौत पर 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन का सरकारी अवकाश घोषित किया गया है। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, इसके तुरंत बाद ईरानी मंत्रिपरिषद ने सात दिन की सार्वजनिक छुट्टी और 40 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। साथ ही तीन सदस्यों वाली नेतृत्व परिषद (मार्गदर्शक मंडल) की घोषणा भी की गई है। इरना के मुताबिक यह परिषद कुछ समय तक सर्वोच्च नेता की भूमिका का निर्वाह करेगी। ईरान के संविधान के तहत, ऐसी परिषद तब तक नेतृत्व की शक्तियां अपने हाथ में ले सकती है जब तक कि नया सर्वोच्च नेता नहीं चुन लिया जाता।

तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल को घुसपैठियों का अड्डा बना रही है: नड्डा

एजेंसी

नदिया। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य को योजनाबद्ध तरीके से घुसपैठियों का अड्डा बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस नीति के चलते बंगाल के मूल निवासी आने वाले समय में अल्पसंख्यक बन सकते हैं।

नड्डा कृष्णानगर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति ने राज्य की सामाजिक संरचना और कानून-व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। नड्डा ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर घुसपैठियों को संरक्षण मिलता है, वहीं आम नागरिकों–खासकर माताओं-बहनों–की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जाता है। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि प्रशासनिक ढील और राजनीतिक संरक्षण के कारण घुसपैठ का मुद्दा बढ़ा है, जिससे स्थानीय लोगों के अधिकार और संसाधन प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने तृणमूल पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की विफलता का आरोप दोहराते हुए कहा कि राज्य में भय और अराजकता का माहौल है।

स्वास्थ्य के मुद्दे पर नड्डा ने कहा कि तृणमूल सरकार ने आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय योजना को लागू नहीं होने दिया, जिससे लाखों गरीब परिवार मुफ्त इलाज से वंचित रह गए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा के सत्ता में आते ही जनकल्याण योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास, कनेक्टिविटी पर दिया जोर

एजेंसी

मदुरै। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को सशक्त बनाते हुए संपर्क सुविधा को मजबूत करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले बारह वर्षों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में व्यापक निवेश किया है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में

4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जिससे औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से कृषि एवं समुद्री उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले दशक में भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 2009 से 2014 के बीच जहां औसत वार्षिक बजट आवंटन 880 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 7,600 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में 1,300 किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं तथा 97 प्रतिशत रेल मार्गों का विद्युतीकरण पूरा किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान में तमिलनाडु में 9 वंदे भारत और 9 अमृत भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जिनके कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में निर्मित किए जा रहे हैं। इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के 77 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से आठ पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। साथ ही चेन्नई बीचझ्रचेन्नई एग्मोर के बीच चौथी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की गई, जिससे हजारों दैनिक यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सूचना एवं संचार सुविधाओं का विस्तार लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। तमिलनाडु में बुनियादी ढांचा विकास के लिए केंद्र सरकार का निवेश पिछले दशक की तुलना में तीन गुना बढ़ा है। बेंगलुरु-चेन्नई तथा चेन्नई-हैदराबाद बुलेट ट्रेन गलियारों के प्रस्ताव से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि आदिचनल्लूर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक विरासत गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं पुलिकट झील और पोधिगई मलै क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती दी जाएगी।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने कुंभकोणम, यरकौड और वेल्लोर में आकाशवाणी के नए एफएम रिले ट्रांसमीटर राष्ट्र को समर्पित किए। साथ ही मरक्कनम-पुडुचेरी चार लेन सड़क परियोजना (2,100 करोड़ रुपये से अधिक) तथा परमकुडी-रामनाथपुरम चार लेन सड़क परियोजना (1,800 करोड़ रुपये से अधिक) की आधारशिला रखी, जिससे रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक आवागमन और अधिक सुगम होगा।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में तमिलनाडु की भूमिका निर्णायक होगी तथा केंद्र सरकार राज्य के समावेशी विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फरवरी में जीएसटी राजस्व संग्रह 8.1 फीसदी बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह फरवरी में सालाना आधार पर 8.1 फीसदी बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।इससे पिछले महीने जनवरी में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा था। बीते वर्ष की समान अवधि में यह 1.69 लाख करोड़ रुपये था।जीएसटी महानिदेशालय ने रविवार को जारी आंकड़ों में बताया कि फरवरी महीने में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जीएसटी राजस्व संग्रह में आयात से प्राप्त राजस्व में हुई उच्च वृद्धि का मुख्य योगदान रहा है। आंकड़ों के अनुसार फरवरी के कुल जीएसटी राजस्व संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 37,473 करोड़ रुपये रहा है, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,900 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 1,00,236 करोड़ रुपये रहा।

आंकड़ों के मुताबिक फरवरी महीने में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.9 फीसदी अधिक है। शुद्ध उपकर राजस्व 5,063 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले साल फरवरी में 13,481 करोड़ रुपये रहा था। फरवरी में 22,595 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो सलाना आधार पर 10.2 फीसदी की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत से लेकर अब तक (1 अप्रैल, 2025 से 1 फरवरी, 2026 तक) जीएसटी राजस्व संग्रह 20,27,033 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सालाना आधार पर 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में जीएसटी राजस्व संग्रह 18,71,670 करोड़ रुपये था। फरवरी में महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक में सबसे अधिक जीएसटी राजस्व संग्रह दर्ज किया गया है। लद्दाख, मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर उन राज्यों में शामिल थे जहां सबसे कम जीएसटी राजस्व संग्रह हुआ है।

खूंटी में सजा रंग अबीर के होली का बाजार, दिखी रौनक

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर में होली को लेकर बाजार पूरी तरह रंगों की दुकानें लगी चुकी है। शहर के प्रमुख बाजारों में अबीर-गुलाल, पिचकारी और तरह-तरह के सजावटी सामानों की जमकर बिक्री हो रही है। खरीदारों की भीड़ से बाजारों में रौनक लौट आई है। होली के त्योहार को लेकर खूँटी के मेन रोड, डेली मार्केट और आसपास के इलाकों में इन दिनों खासा उत्साह देखा जा रहा है। दुकानों में रंग-बिरंगे अबीर, हर्बल गुलाल, बच्चों के लिए कार्टून वाली पिचकारियाँ और पानी वाले टैंक और मुखौटा की डिमांड बढ़ गई है। जहाँ अधिकतम पाँच सौ रुपए के पिचकारी बाजार में उपलब्ध है। भाजपा के सिंबल मोदी पिचकारी की मांग बढ़ गयी है। जहाँ लोग मोदी व भाजपा सिंबल कमल फूल बन पिचकारी भी बिक्री हो रही है। इसके साथ तरह तरह के मुखौटा और बाल की बिक्री हो रही है। वहीं वाटर बैलून, अबीर पटाखा , फोग आदि की बिक्री भी होने लगी है।

व्यापारियों का कहना है कि इस बार बाजार में पिछले साल की तुलना में ज्यादा ग्राहक पहुंच रहे हैं। खासकर युवा और बच्चे होली की खरीदारी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। ह्लत्योहार को लेकर बच्चों में काफी उत्साह है, इसलिए खरीदारी करने आए हैं ह्व कुल मिलाकर, खूंटी का होली बाजार रंग, उमंग और उत्साह से सराबोर है। अब सभी को रंगों के इस पर्व का बेसब्री से इंतजार है।

15 वर्ष से फरार दो अभियुक्त गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत दो फरार अभियुक्त 15 वर्ष बाद पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। जिन्हें पुलिस 2011ई से तलाश कर रही थी। वहीं कई थाना प्रभारी अड़की थाना में योगदान दिया लेकिन इन्हें गिरफ्तार करने में असफल रहे। लेकिन एक मार्च को वो दिन आया कि 15 वर्ष बाद 2011 करके मामले पर अड़की थाना क्षेत्र के गोपोल गाँव निवासी 32 वर्षीय रोबर्ट मुण्डा और दूसरा बिरबांकी कुटुम्बदा निवासी 35 वर्षीय एसी कुटुम्ब परिवार के एसी मनसिद को गिरफ्तार किया जा सका। ये दोनों के अलग अलग मामले के अभियुक्त रहे हैं। जो अड़की थाना के स्थायी वारंटी थे तथा वर्ष 2011 से फरार चले आ रहे थे। जिनके विरुद्ध समकालीन अभियान के तहत छापामारी कर उक्त अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय खूँटी अग्रसारण किया गया है। इन दोनों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी पु०अ०नि० प्रवीण कुमार तिवारी, पु०अ०नि० कुन्दन कुमार व अड़की थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

खूँटी में रोजा रखने के लिए दिखा बच्चियों में उत्साह

खूँटी (बिभा)। रमजान का महिना चल रहा है और मुस्लिम समुदाय के अनेक लोग रोजा रखा हुआ हैं। वहीं खूंटी में बड़े लोग तो रोजा रखने ही हैं लेकिन साथ में बच्चियों में भी धर्म निर्वहन करने का भाव है। जिसमें छोटे छोटे-छोटे बच्चियों ने भी रोजा रखने हुए हैं। जिसमें पाँच वर्ष की आयु की बच्ची ने भी रोजा रखकर अल्लाह ताला से आशिर्वाद मांग रही है कि सभी लोग रोजा रखे और घरों में अमन चैन व बरक्कत दे। 5 वर्षीय करीरा ने बताई कि रोजा रखी हुई है और शहरी के नमाज के पहले कुछ खा लेती है और शाम को नमाज के बाद इफ्तार करती है। 12 वर्षीय नयाब ने बताई कि विगत 10 दिनों से रोजा रखी हुई है और अल्लाह से दुआ करती है कि और लोग भी रोजा रखने की शक्ति और भावना प्रदान करे। वहीं आठ वर्षीय आयशा ने बतायी कि अमन चैन और सलामती के लिए दुआ मांगती है।

नागा से डातोबेड़ा सड़क निर्माण से ग्रामीणों में खुशी, दशकों पुरानी मांग पूरी होने पर विधायक संजीव सरदार का किया अभिनंदन

बिभा संवाददाता

पोटका : मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत नागा से डातोबेड़ा तक सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। यह सड़क ग्रामीणों की बहुचर्चित मांग थी, जो दशकों से लंबित पड़ी थी। सड़क निर्माण की पहल होने पर ग्रामवासियों ने पोटका विधायक संजीव सरदार का उनके तुरामडीह स्थित आवासीय कार्यालय पहुँच कर उनका अभिनंदन कर आभार प्रकट किया। दशकों की मांग हुई पूरी, कच्ची सड़क से मिलेगी मुक्ति *ग्रामीणों ने बताया कि सड़क नहीं होने के कारण आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बाजार जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से पोटका विधानसभा क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कराया जा रहा है। इस अवसर पर रिमरा सरदार, रानी सरदार, त्रिलोचन सरदार, सुनील सरदार, आशु सरदार, नोनी सरदार, बिमला सरदार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दिशोम बाहा पर्व पर विधायक ने टेका माथा, आस्ता चिंगड़ीया में मारांग बुरु से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना

बिभा संवाददाता

डुमरिया : पोटका विधानसभा अंतर्गत डुमरिया प्रखंड के आस्ता चिंगड़ीया में आदिवासी संथाल समुदाय के दिशोम बाहा पर्व के अवसर पर घाटी बुरू दिशोम जाहेरगाड़ बाहा बोंगा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार शामिल हुए और मारांग बुरु के समक्ष माथा टेक कर ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। पर्व के दौरान पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों और सांस्कृतिक उल्लास के बीच समुदाय की आस्था और एकजुटता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। बाहा पर्व को प्रकृति पूजा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर प्रकृति एवं पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट की।

मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि बाहा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परंपराओं को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख गंगामणी हांसदा, पंचायत मुखिया तपन मुर्मू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, प्रखंड सचिव जयपाल सिंह मुर्मू, झामुमो नेता भगत बास्के, माझी बाबा गण, नायके बाबा एवं कमेटी सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चौका थाना में आगामी होली को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

चौका(बिभा)। होली के त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से चौका थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हुड़दंग करने वालों, जबरन रंग लगाने और तेज आवाज में डीजे बजाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। प्रशासन ने लोगों से आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने की अपील की। संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्ती बढ़ाई जाएगी। संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया गया है। पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षित होली सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

करनडीह के दिशोम जाहेर स्थान पर बाहा बोंगा पर्व में विधायक ने मारांग बुरु से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

जमशेदपुर(बिभा) : पोटका विधानसभा अंतर्गत जमशेदपुर प्रखंड के करनडीह स्थित दिशोम जाहेर स्थान में दिशोम बाहा बोंगा पर्व श्रद्धा एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार शामिल हुए और मारांग बुरु के समक्ष माथा टेक कर ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की। पर्व के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोकगीतों और सांस्कृतिक उल्लास के बीच समुदाय की आस्था और एकजुटता का अनुपम दृश्य देखने को मिला। रंग-बिरंगी वेशभूषा, लोक परंपराओं की सुगंध और सामूहिक पूजा-अर्चना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने प्रकृति और पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सामाजिक एकता का संदेश दिया। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि बाहा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व समाज में भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने क्षेत्र की उन्नति और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प दोहराया।

भाजप नेता कमलेश राम ने शोकाकुल परिवार के प्रति व्यक्त की गहरी संवेदना,10 लाख रुपये मुआवजे की सशक्त मांग

खलारी(बिभा)। खलारी प्रखंड के सामु-टोंगरी निवासी स्वर्गीय नरेश नायक आजीविका अर्जित करने हेतु जालोर,राजस्थान प्रवास पर गए हुए थे।दुर्भाग्यवश कार्य के दौरान हुई एक हृदयविदारक घटना में उनका असामयिक निधन हो गया। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर तीन दिन पूर्व उनके पैतृक गांव पहुंचा,समूचे क्षेत्र में शोक एवं संवेदना की लहर व्याप्त हो गई।परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना की सूचना प्राप्त होते ही भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम ने मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व का परिचय देते हुए तत्काल पहल की।उन्होंने बिना विलंब किए रांची उपायुक्त कार्यालय से संपर्क स्थापित कर पीड़ित परिवार को त्वरित राहत स्वरूप 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से मृतक के आश्रितों को 10 लाख रुपये की समुचित अनुग्रह राशि प्रदान करने की सशक्त एवं न्यायोचित मांग की,ताकि शोकाकुल परिवार को आर्थिक संबल मिल सके और उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।आज कमलेश राम स्वयं खलारी पहुंचकर दिवंगत के परिजनों से मुलाकात की।उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को ढांढस बंधाया तथा अपनी ओर से आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई।उन्होंने आश्वासन दिया कि मृतक के परिवार को नियमानुसार मिलने वाली समस्त सरकारी सहायता दिलाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे और प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव पहल करेंगे।इस अवसर पर बीरेन्द्र मुंडा,दीपक दास,राहुल सिंह, राजू गुप्ता,रवीन्द्र जी,देव नायक सहित स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट की।भाजपा झारखंड ने स्पष्ट किया है कि इस कठिन एवं विषम परिस्थिति में पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ परिवार के साथ खड़ी है तथा न्याय,सम्मान और उचित मुआवजा सुनिश्चित कराने तक अपने प्रयास जारी रखेगी।

पत्रकार एकता मंच कोल्हान के बैनर तले होली मिलन समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : भाग दौड़ भरी जिंदगी के बीच कोल्हान के पत्रकार रविवार को आपसी संबंधों को बढ़ाने के लिए होली मिलन के मौके पर एकजुट हुये। कार्यक्रम के शुभारंभ में संगठनात्मक विषयों पर संक्षिप्त चर्चा के उपरांत सबों ने हर्षोल्लास के वातावरण में एक दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिले तथा होली की शुभकामनाएं दिये। कार्यक्रम में तीनों जिले के पत्रकार शिरकत किये। इस दौरान होली के गीतों पर उपस्थित पत्रकार थिरकते नजर आएं। बाद में सबों ने लजीज व्यंजन का लुत्फ उठाया। कुल मिलाकर होली मिलन कार्यक्रम सफल रहा। होली मिलन से पूर्व आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि पत्रकार एकता मंच कोल्हान के बैनर तले एक वकाथॉन का आयोजन किया जाएगा। ताकि स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम में गोविंदा पती , अध्यक्ष रास बिहारी मंडल, महासचिव सुनील पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार डॉ राजेश लाल दास , अनिमेष अंबष्ट, दीपक कुमार, कमलेश सिंह , मनोरंजन सिंहा , मनीष सिंहा , राजेश कुमार, विजय कुमार साहू, सुनील कुमार, कामदेव कुमार, गुणधार गोप , बी हेंब्रम, संजय सिंह, प्रवीण कुमार, आनंद राव, संजय दास , बृजकिशोर ठाकुर , सुनील कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार , दिनेश मोदी, राकेश पात्रो समेत अन्य मौजूद थे।

मौसम ने ली करवट, आसमान में बादल ठंड बढ़ने के आसार

खूँटी (बिभा)। जिले में मौसम का मिजाज बदल गया है। आसमान में बादल छाये हुए हैं। ठंड हवा बहने लगी है इस प्रकार मौसम करवट ले लिया है। वहीं आसमान में जिस प्रकार बादल छाये हैं वहीं बारिश होने के आसार लग रहे हैं। इस प्रकार एक बारी फिर खूंटी के तापमान में जहां बढ़ोतरी हो रही थी वहीं अब तापमान में भी गिरावट आ रहा है। जहां तापमान बढ़ रहा था वहीं बढ़ते तापमान थम गया है। इस प्रकार, खूँटी का बादलयुक्त मौसम में बूंदा बांदी के बीच हवा बहने से ठंड एक बार फिर ठंढ बढ़ने लगा है। जिसके कारण फिर से गर्म कपड़ों की आवश्यकता पड़ गयी हैं।

शहर से 10 किमी दूर भूत गाँव में हाथी पहुंचा , ग्रामीणों ने दिखाया जंगल का रास्ता

बिभा संवाददाता

खूँटी । एक जंगली हाथी भटककर खूँटी के भूत गांव पहुंच गया। जो कि खूँटी शहर से लगभग 10 किमी दूर भूत गांव में रविवार तड़के सुबह चार बजे हाथी को ग्रामीणों ने देखा तो ग्रामीणों में दहशत फैल गया। फिर लोगों ने आवाज लगाई और लोगों को इकट्ठा किया । देखते ही देखते दो तीन गांव के लोग इकट्ठा हुए जंगली हाथी को जंगल का रास्ता दिखा दिया। हालांकि हाथी किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाया है। ग्रामीण प्रकाश टुटी ने बताया कि ग्राम भूत क्षेत्र में जंगली हाथी के प्रवेश की सूचना आज प्रातः लगभग 5:00 बजे ग्राम भूत क्षेत्र में अचानक एक जंगली हाथी के प्रवेश से स्थानीय ग्रामीणों के बीच कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। विशेषकर भंडरा , भूत के ग्रामीण तत्काल सतर्क हो गए और सामूहिक प्रयास से हाथी को आबादी क्षेत्र से दूर सुरक्षित दिशा में खदेड़ दिया। सौभाग्यवश इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति की क्षति नहीं हुई है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः सामान्य और नियंत्रण में है। क्षेत्र के नागरिकों से अपील है कि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत वन विभाग एवं स्थानीय प्रशासन को सूचना दें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें। सामूहिक सतर्कता और संयम से ही ऐसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है।

विमान हादसे के पीड़ित परिवार से मिले सांसद कालीचरण सिंह

लातेहार/चंदवा: चंदवा में एयर एंबुलेंस विमान हादसा में पीड़ित परिवार से मिलने दूसरी बार पहुंचे सांसद कालीचरण सिंह पीड़ित परिवार के परिजनों से मिलकर परिजनों को दी आर्थिक सहायता। सांसद ने कहा की विमान हादसे के मृतक के आश्रितों के साथ 24 घंटे खड़ा हूं, आश्रितों को दो करोड़ रुपए का आर्थिक मुआवजा मिले इसको लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बात की है। मौके पर नीवर्तमान मंडल अध्यक्ष अमित कुमार, चंदवा पूर्वी मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह, लाल रंजन नाथ शाहदेव, दीपक निषाद, रविराज, विनय रिकी वर्मा, चंद्रभूषण केसरी समेत अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थिति रहे।

अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से दो लोग घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मण्डल कारागृह के मुख्य द्वार के सामने तमाड़ पथ पर रविवार की शाम एक बाईक सवार की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कारागार में कार्यरत अरविंद सिंह मुंडा अपने दो दोस्तों के साथ चाय पीने के लिए जैसे ही कारागृह परिसर से बाहर सड़क पर निकले, उसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार से आ रहे पल्सर बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

बाइक चालक की पहचान मुरहू थाना क्षेत्र के सिरिंगडीह गाँव निवासी प्रणय तोपनो के रूप में हुई है। बताया जाता है कि पल्सर बाइक से युवक आ ही रहा था कि ध्यान भटकने से अनियंत्रित वाहन का संतुलन बिगड़ गया जिसके कारण उसने सड़क किनारे खड़े अरविंद सिंह मुंडा और उनके मित्र पवन कुमार को अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे में पवन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका एक पैर टूट गया है तथा शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। अरविंद सिंह मुंडा को भी हल्की चोटें आई हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ देर के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पवन कुमार को गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर, घायल बाइक सवार का इलाज भी सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की अनुसंधान में जुट गई है। वहीं लोगों का कहना है कि कोर्ट के पास तमाड़ रोड पर खराब सड़क और तेज रफ्तार वाहनों के कारण इस क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जो कि कचहरी परिसर के निकट सड़क को मरम्मत कराने के नाम पर बिना बनाए ही छोड़ दिया गया है। वहीं पहले सड़क का निर्माण किया गया था । जिसमें सड़क की गुणवत्ता की कमी के कारण वहां पर सड़क दब गया था। लेकिन उसपर ध्यान नहीं दिया गया। और अब उस जगह पर मरम्मत कराने के नाम पर उसे खोलकर छोड़ दिया गया है। जिसके कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है?। जिसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

डीबीएमएस कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस छात्रों ने उत्साह के साथ मनाया गया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन के साइंस क्लब द्वारा आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह और वैज्ञानिक भावना के साथ मनाया गया ।यह कार्यक्रम प्रसिद्ध भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी.रमण द्वारा रमन प्रभाव की खोज को सम्मानित करने के लिए किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ ` इस अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षुओं के लिए विभिन्न ज्ञान वर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया । डाक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से सी.वी.रमण के जीवनी एवं उपलब्धियों को दिखाया गया। विज्ञान आधारित हिंदी कविता राजा एवं तनिष्का और अंग्रेजी कविता रश्मि एवं अरुंधती ने प्रस्तुत की। विज्ञान नाटक झ जब गूगल बन जाए गुरु भी प्रस्तुत किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी को दिखाते हुए छात्रों द्वारा सामूहिक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया ।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ.जूही समर्पिता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दैनिक जीवन में विज्ञान की अहम भूमिका है और भावी शिक्षकों को छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिक चेतना की आवश्कता पर जोर दिया।

उप-प्राचार्या डॉ.मोनिका उप्पल ने अपने संभाषण में विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और तकनीक की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि भारत बहुत तेजी के साथ विकसित भारत बन रहा है। सुचना और प्रौधौगिकी का विकास एक नए भारत का निर्माण करेगा। कार्यक्रम का संचालन अमृता और मनप्रीत ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रत्येक्षा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से असिस्टेंट प्रोफेसर नेहा भारती एवं अमृता चौधरी की अहम भूमिका थीं इस अवसर पर कॉलेज की सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन , सह-सचिव सुधा दिलीप ,सहित सभी शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

रक्तदान केवल एक दान ही नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के लिए जीवन दान है : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

बहरागोड़ा : चुआड़ विद्रोह के महानायक वीर शहीद रघुनाथ सिंह (भूमिज) की स्मृति में बी.ए.बी.एस बहरागोड़ा में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोटका के विधायक संजीव सरदार शामिल हुए और रक्तदान कर रहे युवाओं से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर रक्तदान किया।

विधायक संजीव सरदार ने शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान केवल एक दान नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करके लोग समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक ने रक्तदाताओं के जज्बे की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायी पहल बताया।

इस अवसर पर जिला पार्षद भूपति नायक, मुखिया डोमा नायक, संभु नायक, सदन नायक सहित गांव के बुद्धिजीवी और बड़ी संख्या में रक्तदाता उपस्थित रहे।

कुड़मी ने लड़कर लिया झारखंड, अब फिर संघर्ष कर लेगा अधिकार : शीतल

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथ (प्रभात तारा) मैदान में रविवार को वृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति के बैनर तले कुड़मी अधिकार महारैली का आयोजन किया गया। महारैली की अध्यक्षता समिति के मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र महतो एवं सखीचंद महतो ने संयुक्त रूप से किया। रैली में राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में कुड़मी समाज के लोग शामिल हुए।

महारैली में वक्ताओं ने कुड़मी जनजाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल करने तथा कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान देने की लंबित मांगों पर केंद्र एवं राज्य सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने कहा कि कुड़मी समाज पिछले 75 वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और अब अपने संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए पुनः आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि छह सितंबर 1950 के निर्णय के बाद कुड़मी समाज को जनजातीय अधिकारों से वंचित कर पिछड़ा वर्ग में शामिल कर दिया गया।

ओहदार ने कहा कि ब्रिटिश काल की जनगणनाओं में कुड़मियों को जनजातीय श्रेणियों में शामिल किया गया था, लेकिन आजादी के बाद उन्हें इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्रों में निवास करने के कारण समाज को अधिकारों से दूर रखा गया।

पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कुड़मी समाज को शीघ्र एसटी सूची में शामिल करने और कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो पूरे झारखंड में अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी।

शिक्षाविद डॉ. अमर कुमार चौधरी ने कहा कि कुड़मी समाज लंबे समय से संवैधानिक अधिकारों से वंचित है। उन्होंने आगामी जनगणना में जाति के रूप में ह्यकुड़मीह्ल और भाषा के रूप में ह्यकुड़मालीह्ल दर्ज कराने का आह्वान किया।

भाजपा विधायक नागेंद्र महतो ने कहा कि शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी के कारण कुड़मी समाज अब भी पिछड़ेपन का सामना कर रहा है। उन्होंने समाज से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और राजनीतिक रूप से संगठित होने की अपील की।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड गठन के बाद भी आरक्षण व्यवस्था का सबसे अधिक प्रभाव कुड़मी समाज पर पड़ा है, जिससे युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी है और सरकारी सेवाओं में समाज की भागीदारी सीमित रह गई है।

कुड़मी समाज की महिला अध्यक्ष सुषमा महतो ने कहा कि समाज की पारंपरिक ह्यबाईसी प्रथाह्ल आज भी सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कुड़मियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करना आवश्यक है।

महारैली में कई प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें आगामी जनगणना में कुड़मी जाति एवं कुड़माली भाषा दर्ज कराने, बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने, युवाओं को उन्नत कृषि एवं स्वरोजगार से जोड़ने तथा समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मार्गदर्शन के लिए नियमित कार्यक्रम चलाने का निर्णय शामिल है।

कार्यक्रम में रणधीर चौधरी, संजय लाल महतो, थानेश्वर महतो, रामचंद्र महतो, कपिल देव महतो, पार्वती देवी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, महिलाएं एवं युवा उपस्थित रहे। महारैली में हजारों महिला-पुरुषों की भागीदारी ने समाज की एकजुटता और अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया।

देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में बड़े पैमाने पर संचालित देह व्यापार रैकेट के खिलाफ पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए कई थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पांच युवतियों और तीन युवकों समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को जानकारी मिली थी कि राजधानी के लालपुर, चुटिया सहित विभिन्न इलाकों में संगठित तरीके से देह व्यापार का संचालन किया जा रहा है। सूचना के अनुसार रैकेट में दो दर्जन से अधिक युवतियां शामिल थीं, जिन्हें होटलों और किराए के मकानों में रखकर अवैध गतिविधियां कराई जा रही थीं।

सूचना की पुष्टि के बाद एसएसपी के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी अभियान चलाया, जिसमें रैकेट से जुड़े लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार युवतियों में अधिकांश रांची और कोलकाता की रहने वाली हैं। छापेमारी के दौरान ग्राहकों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में रैकेट संचालित करने वाली महिला सरगना को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि महिला सरगना पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से युवतियों को बुलाकर रांची में देह व्यापार का नेटवर्क चला रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपित महिला का पूर्व आपराधिक इतिहास भी रहा है और वह पहले भी जेल जा चुकी है।

फिलहाल सभी गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के पुनः अध्यक्ष बने शंकर दुबे और मुख्य संरक्षक किशोर साहू

रांची(बिभा)। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, भुताहा तालाब के द्वारा एक बैठक बुलाई गयी। इस बैठक की संचालन राजकुमार गुप्ता ने की और साथ ही अध्यक्ष शंकर दुबे ने अध्यक्षता किया। कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह) जी के द्वारा पिछले वर्ष 2025 का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। जिसेमैं पहले पुरानी कमिटी भंग कर के उसके बाद वही कमिटी को हॉर्स हुलास से सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। उसके बाद सभा अध्यक्ष ने मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक मंडली को छोड़कर के सभी पदाधिकारियों को सवचारु रूप से वही कमिटी को चलाना हैं। और पूजा धूमधाम मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सभा में मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह,राज कुमार गुप्ता, उदय साहू, कुमार राजा, रवि कुमार (पिंकू), गोपाल पारीक, संजय सिंह (लल्लू),राहुल सिंह, महेश चन्द्रा, दीपू सिंह, गणेश सिंह,शुभम वर्मा, दिलीप गुप्ता, विशाल कृष्णा, राजू चौरसिया, सुनील यादव, रौनक साबु,नवीन गुप्ता,नन्द सिंह चंदेल,उमंग सुल्तानिया, प्रिंस मेहता,रिक्की वर्मा, प्रकाश पासवान, शुभम वर्मा, ऋषभ सिंह, नीकु वर्मा,करण सिंह, मोहित रजक, नमन भारतीय, आशीष रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, सौरभ रजक, आकाश रजक,बबलू वर्मा,आयुष रजक, प्रियांशु वर्मा, यश वर्मा, आयुष वर्मा, राहुल रजक एवं समिति के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे और बैठक के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया और साथ ही सब को अबीर गुलाल लगा कर होली की शुभकामनायें दिया। यह जानकारी महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय नें दी।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में वृंदावन की तर्ज पर होली मिलन समारोह का हुआ भव्य आयोजन

रांची(बिभा) : परमहंस हिंदू रत्न से सुशोभित डॉ संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में फाल्गुन सतरंगी होली मिलन समारोह का भव्य एवं अलौकिक आयोजन किया गया। वृंदावन की तर्ज पर रंग, गुलाल और पुष्पों की सुगंध से पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।समारोह में कोलकाता से पधारे कलाकारों ने राधा-कृष्ण पर आधारित मनोहारी नृत्य-नाटिका एवं जीवंत झांकियों की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मंच पर सजी रासलीला की छटा ने मानो भक्तों को ब्रज की गलियों का साक्षात दर्शन करा दिया। फूलों की होली कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही, जिसमें श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा के बीच रंग बरसे वृंदावन धाम और आज बिरज में होली रे रसिया जैसे भजनों पर भावविभोर होकर भाग लिया संगीतमय भजन संध्या में भजन गायक मनीष सोनी एवं अन्य प्रसिद्ध कलाकारों ने होली के पारंपरिक एवं ब्रज शैली के भजनों से वातावरण को भक्तिरस में डुबो दिया। मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं महाभोग अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें 2 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य अनुभव किया।

जदयू ने केक काटकर नीतीश कुमार का जन्मदिन मनाया

रांची(बिभा) : जदयू के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जन्मदिन के मौके पर केक काटा और उनका जन्मदिन ए जी मोड डोरंडा रांची में मनाया। इस मौके पर श्री तिवारी ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन का जो मॉडल स्थापित किया, उसकी चर्चा सारे विश्व में हैं। इसी कारण नीतीश बाबू सुशासन कुमार के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के सबसे लंबे अरसे तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद उनके दामन पर कोई दाग नहीं है। यह उनके व्यक्तित्व और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस का सशक्त प्रमाण हैं। श्री तिवारी ने नीतीश कुमार के दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना किया और कहा कि नीतिश बाबू इसी तरह बिहार और बिहारियों की सेवा करते रहे। नितेश बाबू युवाओं और महिलाओं के रोल मॉडल भी है। इस अवसर पर श्री संजय सिंह, आशीष शीतल मुंडा, दीपांकर कर्मकार, फूलचंद पुरन जी, किशोर विजयवर्गीय, शुभम गुप्ता, सहित जदयू के पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

होली व रामनवमी से पहले रांची में उत्पाद विभाग की कार्रवाई, नकली विदेशी शराब सहित आठ आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। होली और रामनवमी पर्व को लेकर अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए उत्पाद विभाग लगातार सघन छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी क्रम में रविवार को उत्पाद विभाग की टीम ने रांची जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध एवं नकली शराब बरामद की तथा आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया।

उत्पाद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक आयुक्त उत्पाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विधानसभा थाना क्षेत्र के महुआ टोली एवं डहु टोली, नगड़ी थाना अंतर्गत गागी टोली और सेम्बो तथा बेड़ों थाना क्षेत्र के इटा चिनरी गांव में एक साथ छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान इटा चिनरी से 09 पेटी में कुल 290 पीस यानी 73.65 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद की गई। इस मामले में एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार किया गया।

इसके अलावा अन्य स्थानों पर की गई कार्रवाई में भारी मात्रा में विदेशी शराब, बियर, अवैध चुलाई शराब तथा जावा महुआ जब्त किया गया। अभियान के दौरान कुल सात अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में संजीत मिंज, पिंटू बाड़ु, अनिल लिंडा, सुनील उरांव, अजय कुजूर, रौशन केरकेट्टा, राजू कच्छप एवं निखिल तिर्की शामिल हैं।

उत्पाद विभाग ने आरोपितों के पास से कुल 80.925 लीटर विदेशी शराब, 65.1 लीटर बियर, 9.9 लीटर ब्रिजर, 100 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा लगभग 500 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि पर्व-त्योहार के दौरान अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

ऊर्जा निगमों में बोर्ड बैठक नहीं होने पर श्रमिक संघ ने जताई चिंता, जल्द बैठक बुलाने की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड राज्य के ऊर्जा निगमों में लंबे समय से बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक नहीं होने पर चिंता व्यक्त की है।

रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, झारखंड ऊर्जा संचारण निगम लिमिटेड और झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड में बोर्ड बैठक नहीं होने के कारण बिजली वितरण, संचरण एवं उत्पादन से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत और वित्तीय प्रस्ताव लंबित पड़े हुए हैं।

अजय राय ने बताया कि 23 सितम्बर 2025 के बाद अब तक किसी भी कंपनी की बोर्ड बैठक आयोजित नहीं की गई है, जबकि कंपनी अधिनियम के अनुसार प्रत्येक चार माह में कम से कम एक बैठक आयोजित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही से प्रशासनिक निर्णय प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि समय पर बोर्ड बैठक नहीं होने की स्थिति में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा दंडात्मक कार्रवाई एवं जुमार्ना लगाया जा सकता है, जिससे निगम की साख और निर्णयों की वैधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

होली को लेकर सिल्ली में शांति समिति की बैठक, पुलिस ने की अपील - बनाए रखें भाईचारा

बिभा संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली थाना परिसर में रविवार को होली पर्व को लेकर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, सामाजिक कार्यकताओं और शांति समिति के सदस्यों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी नवीन कुमार ने की।

बैठक में थाना प्रभारी नवीन कुमार ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का पर्व है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रंग खेलना खुशी का प्रतीक है, लेकिन किसी को जबरन रंग न लगाएं। उन्होंने भाईचारा बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि अफवाहों को दरकिनार करते हुए आपसी भाईचारा बनाए रखें ताकि माहौल खुशनुमा बना रहे।

मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने कहा कि होली को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस की नियमित गश्ती बढ़ाई जाएगी और होली पर्व के नाम पर हुड़दंग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक के अंत में उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में विभिन्न समस्याओं पर ध्यान आकर्षित कराते हुए प्रशासन से त्योहार के मौके पर शराबियों और हुड़दंगियों पर विशेष नजर रखने की बातें कहीं। प्रशासन को पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिलाया गया। बैठक का संचालन मोहम्मद फारूख ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी है:शिवप्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची : प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू की अध्यक्षता में हवेली बैंक्वेट हॉल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के तहत प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष गण, प्रदेश और जिलों की प्रशिक्षण टोली शामिल हुई। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश सहित प्रदेश प्रभारी एवं सांसद डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय टोली के सदस्य राजकुमार फलवारिया, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष,पी एन सिंह,डॉ रविंद्र कुमार राय, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा,रघुराज पांडेय ,केके गुप्ता, बबलू भगत,प्रियंका रंजन,उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी है। पार्टी की रीति नीति,कार्य पद्धति,इतिहास विकास से कार्यकताओं को परिचित कराना, यह महत्वपूर्ण है। कहा कि भाजपा का एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता हमारे विरोधियों के सैकड़ों पर भारी पड़ता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा मां भारती को सर्वोच्च शिखर पर आसीन करने केलिए संकल्पित है। हमारे पूर्वजों ने जो दृढ़ संकल्प लिया है उसे पूरा करने की जिम्मेवारी आज की पीढ़ी पर है।

प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है। देश की अधिकांश पार्टियां आज परिवार के विरासत तक सिमट गई है लेकिन भाजपा अपने वैचारिक अधिष्ठान के बल पर दुनियां की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम के भाव से भरे हैं। जिसका परिणाम है कि आज भारत विश्व में अपना परचम लहरा रहा। भारत के तिरंगे की ताकत बढ़ी है।

प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण को जन जन तक लेकर जाने की जरूरत है। जिसमें सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी, सर्व समावेशी भाजपा के साथ पर्यावरण और स्थानीय उत्पाद के उपयोग केलिए वोकल फॉर लोकल का आह्वान है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और भाजपा एनडीए की डबल इंजन सरकारों की उपलब्धियों से जन जन तक लेकर जाने की जरूरत है।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम को मार्च अप्रैल तक पूर्ण करने की योजना को पूर्ण करें।

रांची विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय कुंडुख विभाग का ऐतिहासिक पूर्ववर्ती छात्र मिलन सम्पन्न, डीएसडब्ल्यू ने कहा एकता ही हमारी शक्ति

बिभा संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा (टीआरएल) संकाय अंतर्गत विश्वविद्यालय कुँड़ुख विभाग में ऐतिहासिक पूर्ववर्ती छात्र (एलुमनाई) सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। वर्ष 1980 में विभाग की स्थापना के बाद यह दूसरा अवसर था जब लगभग 200 पूर्व छात्र-छात्राओं का महाजुटान एक ही मंच पर हुआ। कार्यक्रम भावनात्मक स्मृतियों, बौद्धिक विमर्श और सामूहिक संकल्प का साक्षी बना।

कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. बन्दे खलखो ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापक डॉ. हेमन्त टोप्पो ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलित कर तथा अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सुरेश कुमार साहु (डीएसडब्ल्यू) ने कहा कि ऐसे आयोजन वर्तमान छात्र-छात्राओं को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि टीआरएल संकाय झारखंड आंदोलन के दौर में भाषा, संस्कृति और अस्मिता के बौद्धिक मार्गदर्शन का प्रमुख केंद्र रहा है। उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा कि हमें अपनी एकता को बनाए रखना है और अपनी मातृभाषा को खंडित होने से बचाना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए टीआरएल के पूर्व विभागाध्यक्ष सह समन्वयक डॉ. हरि उराँव ने कहा कि विश्वविद्यालय कुँड़ुख विभाग के पूर्ववर्ती विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। यह मिलन उनके योगदान को सम्मानित करने और साझा स्मृतियों को पुनर्जीवित करने का ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कुँड़ुख भाषा व साहित्य के उत्तरोत्तर विकास क्रम पर विस्तार से चर्चा किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो ने कहा कि यह आयोजन केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं, बल्कि सामूहिक अस्मिता का संकल्प है। ह्लभाषा केवल पाठ्यक्रम का विषय नहीं, बल्कि हमारे लोकजीवन, संस्कृति और पहचान की धड़कन है। अलग-अलग विभागों में रहने के बावजूद हमारी चट्टानी एकता बनी रहनी चाहिए। संगठित रहकर ही हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा कर सकते हैं,ह्व उन्होंने कहा।

डॉ. किशोर सुरिन ने इसे कुँड़ुख विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह आयोजन पुराने छात्रों और वर्तमान शिक्षकों के बीच सशक्त सेतु का कार्य करेगा। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, ह्लकभी कक्षा की बातें, कभी हँसी के ठहाके, कभी संघर्ष, कभी सपनों के फाके, समय बदला, पर रिश्ते न टूटे। हड़जोड़ा में फिर दिल से दिल जुड़े।

इस अवसर पर विभागीय पत्रिका हड़जोड़ा तथा डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो की नई पुस्तक सइर फूल का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान से हुई।

मिलन समारोह में विभाग से शिक्षित होकर विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में कार्यरत पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं ने अपनी स्मृतियाँ साझा कीं। डॉ. अरुण अमित तिग्गा, डॉ. कीर्ति मिंज, डॉ. बीरेंद्र उरांव, प्रो. धीरज उरांव, डॉ. राधिका कुमारी, डॉ. विकास उरांव, विजय रंजीत एक्का, प्रियंका उरांव, नवल किशोर भगत, प्रो. सोमरा उरांव, दुलारी कुमारी, लक्ष्मण उरांव एवं महावीर उरांव ने संयुक्त रूप से कुँड़ुख भाषा के इतिहास, साहित्य और सांस्कृतिक परंपरा पर प्रकाश डाला। साथ ही कुँड़ुख भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने हेतु संगठित पहल करने का आह्वान किया गया। अंत उपस्थित छात्रों, शोधार्थियों व शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह में पूर्ववर्ती एवं वर्तमान छात्र-छात्राएँ, शोधार्थी और शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भाषा, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है।

झारखंड वुशु एसोसिएशन द्वारा आयोजित झारखंड राज्य ताउलु चैंपियनशिप संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड वुशु एसोसिएशन द्वारा आयोजित झारखंड राज्य ताउलु चैंपियनशिप का आयोजन वुशु हॉल, बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी, रांची में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल वुशु फेडरेशन के नियमों के अनुरूप किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न इकाइयों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सीनियर ताइजिक्वान (ऑप्शनल) बालक वर्ग में एल. प्लेटोडीप सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर ताइजिक्वान (ऑप्शनल) बालिका वर्ग में शीतल कुमारी ने प्रथम तथा प्रिया गाड़ी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सीनियर ताइजिक्वान (ट्रेडिशनल) बालक वर्ग में अविनाश कुमार गंझु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर ताइजिक्वान (ऑप्शनल) बालिका वर्ग में वाणी कुमारी ने प्रथम स्थान अर्जित किया, जबकि जूनियर ताइजिक्वान (ट्रेडिशनल) बालिका वर्ग में वंदना कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में दीपक गोप एवं अविनाश गंझु का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संघ के पदाधिकारियों ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं राज्य में ताउलु स्पधाओं को नई दिशा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगी।

हम जीवन को बचाने वाले लोग है, आदिवासी होने पर करें गर्वः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्थित स्टील सिटी में सेक्टर-04 स्थित जाहेर थान में दिशोर जाहेर सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित दिशोम बाहा महोत्सव 2026 श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के वातावरण में रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और आदिवासी समाज को बाहा महोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का रक्षक और जीवन मूल्यों का संवाहक है। हम जीवन को बचाने वाले लोग हैं। आदिवासी होना हमारी पहचान ही नहीं, हमारा गर्व है। उन्होंने कहा कि बाहा महोत्सव प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है, जो सामुदायिक एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को सशक्त करता है।

उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में बोकारो में एक भव्य और विश्वस्तरीय आदिवासी सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कहा कि यह ऐसा केंद्र बनेगा जहां विश्व भर की आदिवासी संस्कृति का विदर्शन होगा। देश-विदेश से लोग आकर आदिवासी संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा और जीवन शैली को करीब से देख और समझ सकेंगे। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनेगी तथा बोकारो को सांस्कृतिक पहचान के नए आयाम* प्रदान करेगी।

उपायुक्त ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बताए मार्ग को जीवन में आत्मसात करने की युवा पीढ़ी से अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक सुधार से ही संभव है। उन्होंने युवाओं से रात्रि पाठशाला (नियमित पठन-पाठन) और नशा मुक्ति अभियान को अपनाने का आह्वान किया, ताकि समाज मजबूत और सशक्त बन सके।

उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने उपस्थित महिलाओं, बेटियों और माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि बेटी, बहन और मां केवल परिवार की आधारशिला नहीं हैं, बल्कि वे समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक शक्ति हैं। हमें पढ़ना है और पढ़ाना है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो समाज को जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है।

उन्होंने उपस्थित युवतियों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करें। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की कि वे बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें। अपने देश व अपनी मातृभूमि के लिए हमें अपना योगदान देना है। हमें अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई। लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और भक्ति से भर दिया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री रविंद्र नाथ हांसदा, सचिव श्री कृष्णा सोरेन एवं बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्ति, ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बनगड़िया ओपी में शांति समिति की बैठक, होली पर्व शांतिपूर्ण मनाने की अपील

बिभा संवाददाता

तालगाड़िया (बोकारो)। होली पर्व को लेकर बनगड़िया ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी शुभम् कुमार ने की।

प्रभारी शुभम कुमार ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि होली पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत थाना को सूचना दें। प्रशासन हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान हुड़दंगियों एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुखियां रबिन कुमार वैष्णव,पंसस बिनोद महतो, सुरेश सिंह, राम पासवान, संजय सिंह, बसुरुद्दीन अंसारी, परमेश्वरदास वैष्णव, दाउद अंसारी , अशोक दसवां दी जिप सदस्य प्रतिनिधि रामपत दास डॉक्टर तपन दुबे उत्तम सरकार विजय सिंह विकास सिंह अंकुश सिंह मधुमेह सरकार वार्ड सदस्य गणेश रजक अरुण महतो राधेश्याम सिंह जन्मानजय महतो सहित शांति समिति के सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि एवं वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जदयू कार्यालय में नीतीश के 75वें जन्मदिन पर केक काटा, विकास मॉडल की सराहना

जैनामोड़ (बोकारो)(बिभा) : जदयू के जिला कार्यालय में रविवार को पार्टी जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 75वें जन्मदिन को केक काटकर हर्षोल्लास से मनाया गया। उपस्थित कार्यकताओं ने सीएम को जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके स्वस्थ व दीघार्यु की कामना की।प्रदीप महतो ने कहा कि नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार ने विकास के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुआ है, जिससे 'नीतीश मॉडल' विश्वविख्यात हो गया। मौके पर प्रदेश सचिव मनोज कुमार सिंह, जैना मुखिया आनंद कुमार महतो, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय कुमार झा, जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, सरत रजवार महासचिव विनय सिंह, सुधीर कुमार, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा सिंह, गणेश प्रजापति, संजय कुमार, जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव दास, पेटरवार अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार महतो, चास प्रखंड अध्यक्ष महेश कुमार, अधिवक्ता वकील महतो, विजय कुशवाहा, प्रकाश कुमार महतो, नव युवक कला मंच सचिव महादेव महतो, पारस महतो, बबलू दास, संतोष महतो, गुप्ता रजवार, पंकज कुमार महतो, विजय मामू, चण्डी कुमार प्रजापति, प्रिंस कुमार, अशोक महतो, अरुण कुमार महतो, नकुल महतो, बलराम सिंह, लालचंद महतो, विजय कुमार महतो, राजकुमार महतो, राजन यादव, ललन प्रसाद, महाराजा पांडेय, सुमित कुमार, लालू प्रसाद, नरेश कुमार, लालबाबू महतो आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बोकारो में गंगा क्रेडिट कोऑपरेटिव का होली मिलन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न

बोकारो (बिभा) : गंगा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जी-4, सिटी सेंटर, सेक्टर-4 में आयोजित होली मिलन समारोह बड़े उत्साह, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सोसाइटी के सदस्यों, पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की।रंग-गुलाल और पुष्पवर्षा के साथ शुरू हुए समारोह में सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आपसी प्रेम, एकता और सद्भाव मजबूत करने का संकल्प लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत-संगीत और हास्य-व्यंग्य कार्यक्रमों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों व महिलाओं की विशेष सहभागिता से आयोजन और आकर्षक बना।सोसाइटी के मुख्य कार्यपालक डॉ. पर्मेश्वर लाल बरणवाल ने संबोधन में कहा कि होली सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन सदस्यों में आत्मीयता बढ़ाते हैं। समाजसेवी कमलेश राय ने समिति की सराहना की और सभी को होली की बधाई दी।समापन पर गुजिया, नमकीन और ठंडाई का प्रसाद वितरित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। प्रमुख उपस्थितः अधिवक्ता राकेश कुमार राय, विमल शर्मा, जवाहर प्रसाद, नग नारायण प्रसाद शाही, सुधीर कुमार, नरेंद्र कुमार, नीरज कुमार, उषा श्रीवास्तव, शर्वेश चौधरी, संतोष कुमार, अनुरंजन शर्मा, दीपक पाठक, अघनु गोराइं, मंतोष कुमार, शशि कांत सिंह, हरिश्चंद्र प्रसाद बरणवाल, सरोज पांडेय आदि।

ब्राह्मण परिवार का होली मिलन समारोह हर्षोल्लासपूर्ण के साथ मनाया गया

बोकारो(बिभा)। काली मंदिर बारी कोऑपरेटिव परिसर में संपूर्ण ब्राह्मण परिवार ने होली मिलन समारोह अत्यंत उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख गणमान्य सदस्यों ने शिरकत की। उपस्थित सदस्यों में वि. पाठक, रबींद्र नाथ ओझा, दयानंद चौबे, रणजीत त्रिपाठी, अभय कुमार तिवारी, सुखदेव ओझा, अरुण कुमार पाठक, शिवाजी तिवारी, आर.पी. तिवारी, मनमोहन दूबे, विजय कुमार पांडेय, जनार्दन झा और संतोष कुमार ओझा सहित अन्य सम्मानित सदस्य शामिल हुए। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी तथा सामाजिक एकता व आपसी सौहार्द का संदेश दिया।इस दौरान यूजीसी बिल पर विस्तृत चर्चा हुई। सदस्यों ने बिल के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त कर इसका सामूहिक विरोध दर्ज किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में समाज की एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

फागुनी बयार में सराबोर हुई वसुंधरा गली

वसुंधरा परिवार की महिलाओं ने मनाया भव्य होली महोत्सव

बिभा संवाददाता

बोकारो। रंगों का त्योहार होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का उत्सव है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए नगर के सेक्टर- 3बी स्थित वसुंधरा गली में वसुंधरा परिवार महिला मंडली द्वारा एक भव्य और ऊजार्वान होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत होते ही पूरी गली गुलाल के बादलों से सतरंगी हो उठी। महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और गले मिलकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस मिलन समारोह में उपस्थित महिलाओं ने सामाजिक सौहार्द्र और आपसी प्रेम को समाज की मुख्य धारा बनाने पर बल दिया।

इस अवसर पर होली के पारंपरिक गीतों, लोकधुनों और फिल्मी गानों पर महिलाओं और बच्चों ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मधुर गीतों के बीच बच्चों की टोली का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम को और भी रोमांचक बनाने के लिए कई मनोरंजक स्पधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौके पर रूपा, अनामिका, रूबी, रेणु, अनीता, कंचन, रश्मि, लक्ष्मी, वीणा, पिंकी, प्रियंका, खुशबू, चंदा सिंह, मुन्नी देवी, अमरावती, सुनीता, आशा, रीमा तथा मोनी सहित अन्य उपस्थित रहीं।

सेक्टर 9 हरला थाना में शांति समिति की बैठक, होली और रमजान पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

बोकारो। होली और रमजान पर्व को लेकर सेक्टर 9 के हरला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने की। थाना प्रभारी ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग शांति, भाईचारे और सौहार्द के माहौल में अपने-अपने पर्व मनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग या असामाजिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खुराफात करने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी और उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर शांति समिति के सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और आपसी एकता का संदेश दिया। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

द्वादश कर्म के अवसर पर शोक संतप्त परिवार से मिला पत्रकार शिष्टमंडल

दिवंगत पत्रकार की स्मृति को नमन, परिवार के प्रति जताई संवेदना

बिभा संवाददाता

बोकारो। बियाडा हाउसिंग ऑफिसर्स कॉलोनी, बोकारो स्थित डी/39 निवासी दिवंगत पत्रकार सुनील कुमार श्रीवास्तव के द्वादश कर्म के अवसर पर पत्रकारों का शिष्टमंडल उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर पत्रकार शिष्टमंडल ने दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थनाकी। पत्रकारों। ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दिवंगत पत्रकार का समाज एवं जनसरोकारों के प्रति योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कहा कि कठिन समय में धैर्य और पारिवारिक एकजुटता ही सबसे बड़ा संबल होता है, प्रशासन परिवार के साथ संवेदनात्मक रूप से खड़ा है।

इस अवसर पर जिले के पत्रकार उपस्थित रहे।

चास कॉलेज में पीजी शुरू कराने की मांग पर छात्रों ने विधायक को दिया धन्यवाद

चंदनकियारी (बोकारो) : चास कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू कराने की मांग को झारखंड विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाने पर चंदनकियारी विधायक को छात्र नेता युगदेव माहथा सहित छात्रों और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने धन्यवाद दिया।आज विधायक के आवास पर छात्रों व नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की। इसमें मंजेश महथा, संदीप रजवार, शंभू पांडेय, प्रकाश कुमार आदि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इससे चास-चंदनकियारी के ग्रामीण छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा आसानी से मिलेगी, जिससे वे आगे बढ़ेंगे और बोकारो का नाम रोशन करेंगे।छात्र नेता युगदेव माहथा ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर शिक्षा सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। विधायक ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे पर लगातार प्रयासरत रहेंगे।

मुआवजा मिलने के आश्वासन के बाद उठा शव 12 घंटे जाम रहा जैनामोड़ फुसरो रोड

बिभा संवाददाता

बोकारो। शनिवार की देर रात हुए सड़क दुर्घटना में मारे गए बालीडीह ओपी थाना अंतर्गत मानगो निवासी 22 वर्षीय मिथलेश रजक का शव रविवार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इससे पहले जरीडीह थाना में सीओ प्रणव ऋतुराज , प्रभारी बिपिन महतो ने मृतक के परिजनों को तत्काल सहयोग के साथ साथ वाहन मालिक से राशि दिलाने तथा आपदा प्रबंधन से मिलने वाले राशि को दिलाने के आश्वासन के बाद 12 घंटे से जाम जैनामोड़ फुसरो मेनरोड में वाहनों का परिचालन शुरू हुआ। वार्ता में मृतक के पिता जुमन धोबी , झामुमो के सचिव अखिलेश उर्फ राजू महतो , जिलाध्यक्ष रतन लाल मांझी , हीरालाल मांझी , मुखिया गिरिन्द मिश्रा , पीयूष आचार्य व ग्रमीण मौजूद रहे।

बताते चलें कि मृतक मिथलेश अपने बाइक से घर जा रहा था इसीक्रम में तांतरी पेट्रोल पंप के पास बिपरीत दिशा से आ रही सरिया लदे 407 मिनी ट्रक का अगला पहिया का टायर अचानक फटने के वह चपेट में आ गया। आनन फानन में ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए बीजीएच अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को दुर्गा मंदिर के समीप मेनरोड में रखकर रोड रोड को जाम कर दिया था। जाम के कारण देर रात से सुबह तक भारी वाहनों और लंबी दूरी तक चलने वाली बसों का गमनागमन बाधित रहा।

डीवीसी को ऊंचाइयों तक ले जाने में डीवीसी के पूर्व कर्मियों की भूमिका अहमः आर के अनुभवी

बिभा संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में पदस्थापित पांच डीवीसी कर्मियों के सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने कहा कि डीवीसी को ऊंचाइयों तक ले जाने में डीवीसी के पूर्व कर्मियों की भूमिका अहम है । उनके कठिन परिश्रम से ही डीवीसी आज उन्नति की ओर अग्रसर है।

श्री अनुभवी ने कहा कि कठिन कार्य करने और कड़ा आदेश का अनुपालन करने से भी अच्छा रास्ता बनता है। हम सभी को एकजुट होकर डीवीसी के कार्यों को सफल बनाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए। श्री अनुभवी ने रिटायर कर्मियों विजय कुमार पांडेय , नरेंद्र कुमार सिंह, बैजून मांझी , आनंद प्रमाणिक और भीमसेन गोराई के उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि वह स्वस्थ रहकर अब अपने परिवार और समाज की सेवा करें।

मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री डीसी पांडेय ने कहा कि किसी भी व्यक्ति का कर्म को ही याद किया जाता है। इसलिए हम सभी को हमेशा अच्छा कर्म करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान काम से होती है और किसी भी संस्थान के उत्थान के लिए अच्छा कर्म किया जाना उचित होता है ' उन्होंने सेवानिवृत कर्मियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह का संचालन अनिमेष गिरी ने किया । उप महाप्रबंधक (वित्त) श्री ललन प्रसाद गुप्ता, कंचन स्मिता टोप्पो, सत्येन्द्र कुमार,पायल वोहरा, सुधांशु रंजन, उमेश शर्मा, राजीव रंजन सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे।

सेवानिवृत कर्मी विजय कुमार पांडेय और नरेंद्र कुमार सिंह को ई एम पी सी विभाग द्वारा भी समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, सत्येंद्र कुमार, राजीव तिवारी , सुबोध कुमार पासवान ,अक्षय कुमार अशोक झा, शत्रुघ्न कुमार आदि उपस्थित थे।

संकल्प सृजन ने बोकारो रेलवे स्टेशन को भेंट स्वरूप दिया व्हील चेयर

बिभा संवाददाता

बोकारो। संकल्प सृजन के तत्वावधान में विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस के अवसर पर आज 1 मार्च रविवार को बोकारो रेलवे स्टेशन पर दो व्हील चेयर भेंट किया गया। संस्था की प्रदेश महासचिव साध्वी झा ने बताया कि संकल्प सृजन का संकल्प ही अद्वितीय है। बोकारो सहित आस पास के जिलों में संस्था द्वारा सेवा, संस्कार व स्वाबलंबन की दृष्टि से अनेकों सामाजिक कार्य निरंतर गतिशील है। अभिवंचित समाज के साथ ही समसामयिक विषयों, आवश्यकताओं पर भी संस्था ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ , बीमार या शारीरिक रूप से असक्षम व्यक्ति अपने परिजन के साथ जब स्टेशन आते हैं तब गाड़ी चढ़ने समय की अफरा तफरी और सुनिश्चित बोगी तक जाने के क्रम में समस्या बढ़ जाती है। ऐसे वरिष्ठ या विवश नागरिकों की यात्रा कुछ सुगम हो सके इसी उद्देश्य से संस्था ने दो व्हील चेयर बोकारो स्टेशन को भेंट किया गया है। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष ध्रुव शर्मा जी ने स्टेशन प्रबंधक एवं मुख्य टिकट निरीक्षक को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए बोकारो स्टेशन की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था हेतु साधुवाद दिया।

संस्था की ओर से दो व्हील चेयर स्टेशन परिसर के अधिकारियों को सौंपा गया। स्टेशन प्रधान एस के नायक व मुख्य टिकट निरीक्षक नवीन कुमार ने संस्था के इस कदम की सराहना करते हुए स्वागत किया। संकल्प सृजन के संरक्षक दिनेश्वर सिंह जी ने कहा कि बोकारो स्टेशन हम बोकारो वासियों का गौरव है, स्टेशन परिसर की सफाई व्यवस्था से हम गौरवान्वित रहते हैं।

इसी के साथ ही कुली व सफाई बंधु-भगिनी के साथ होली मिलन भी किया गया। संस्था की महिला समूह द्वारा निर्मित पकवान सहित मिष्ठान भेंट व अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। इस पूरे प्रकरण की प्रमुख सुत्रधार तथा संस्था व स्टेशन के बीच की कडी रेल कर्मचारी सुनिता जी के सहयोग की चर्चा करते हुए नायक जी ने कहा कि संकल्प सृजन के संपूर्ण सामाजिक कार्य पूरी तरह समाज को समर्पित हैं। समाज के सहयोग से समाज का विकास और चिंतन एक अनोखा प्रयास है।

संस्था के संरक्षक दिनेश्वर सिंह, कौशल किशोर राय, व्यवस्था प्रमुख बलराम झा, सहयोगी कमल देव ने रेल अधिकारियोंको, कर्मचारियों को गुलाल से तिलक लगाने के साथ ही संस्था की ओर से फाइल बैग भेंट किया। साध्वी झा ने अपने संस्था की चाभी रिंग भेंट देकर यह आग्रह किया कि हम समाज के संवेदनहीन तालों की चाभी बनकर आगे बढ़ें, संवेदनशीलता हमारी पहचान हो और अपने घर परिवार के साथ ही समाज को भी अपना दायित्व समझें, सेवा उपकार नहीं दायित्व है।

इस उत्तम कार्य के प्रमुख सहयोगी महा लक्ष्मी इंटरप्राइजेज सहित संस्था के सूचना प्रसार प्रभारी श्रवण झा जी सहित सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दिया।

इस अवसर पर स्टेशन अधिकारी, संस्था के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता मोहित, रोहित, अभिषेक, प्रिया, बिनु, नेहा, पिंकी, श्रवण झा सहित कुली व सफाई बंधु-भगिनी उपस्थित रहे।

चंद्रग्रहण की छाया में होली: आज होलिका दहन, 4 मार्च को रंगों की बौछार

3 मार्च को एक घंटे का चंद्रग्रहण; सूतक में बंद रहेंगे मंदिर, बाजारों में रौनक और मिलन समारोहों की धूम

प्रमोद खण्डेलवाल

हजारीबाग : फाल्गुन की मस्ती और रंगों की खुमारी के बीच इस बार होली का स्वरूप चंद्रग्रहण के कारण बदला हुआ नजर आएगा। शहर में जहां एक ओर होली को लेकर जबरदस्त उत्साह है, वहीं तिथियों में बदलाव को लेकर लोगों में जिज्ञासा भी बनी हुई है। हजारीबाग के प्रसिद्ध पुजारी दीपेंद्र नाथ पांडे (दीपक पांडे) ने बताया कि आज 2 मार्च की रात्रि 11 बजे से 1 बजे तक होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रहेगा। इसी अवधि में विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को शाम 6 बजे से 7 बजे तक एक घंटे का चंद्रग्रहण लगेगा। ग्रहण का सूतक काल 8 घंटे पूर्व से प्रभावी हो जाएगा। सूतक काल के दौरान पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और शुभ कार्य नहीं किए जा सकेंगे। इस अवधि में मंदिरों के कपाट भी बंद रहेंगे। पंडित श्री पांडे के अनुसार, यद्यपि 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि है, लेकिन ग्रहण के प्रभाव के कारण रंग खेलने का कार्यक्रम उस दिन नहीं होगा। सनातन परंपरा के अनुसार होली का पर्व चैत्र माह के प्रथम दिन मनाया जाता है, इसलिए 4 मार्च को पूरे देश के साथ हजारीबाग में भी रंगों की होली धूमधाम से मनाई जाएगी। उधर, शहर के प्रमुख बाजारों में होली की रौनक देखते ही बन रही है। मेन रोड, झंडा चौक और बड़ा बाजार सहित कई अन्य क्षेत्र में अबीर-गुलाल, हर्बल रंग, आकर्षक पिचकारियां और बच्चों के लिए कार्टून थीम वाले रंगीन उत्पादों की भरमार है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार हर्बल और ऑर्गेनिक रंगों की मांग अधिक है। मिठाई दुकानों में गुजिया, मालपुआ, दही-बड़ा और ठंडाई की तैयारी जोरों पर है। बच्चों और युवाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। स्कूलों और मोहल्लों में पहले से ही फाग गीतों और होली मिलन कार्यक्रमों की शुरूआत हो चुकी है। विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक और सांस्कृतिक संगठनों द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें पारंपरिक फाग, भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामूहिक अबीर-अभिनंदन का आयोजन हो रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी दिया जा रहा है। तिथि परिवर्तन के बावजूद शहर में होली का जोश कम नहीं हुआ है। लोग पूरे उत्साह के साथ होलिका दहन की तैयारी में जुटे हैं और 4 मार्च को रंगों के इस महापर्व को उल्लास और उमंग के साथ मनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हजारीबाग एक बार फिर रंग, संगीत और भाईचारे के संगम का साक्षी बनने जा रहा है।

पंचवटी 02 के 76 मतों से जीत कर अध्यक्ष बने उमेश अग्रवाल

बिभा संवाददाता

रामगढ़: पंचवटी आइवी 2 ओनर्स एसोसिएशन रामगढ़ में सत्र 2026झ27 की नई कमेटी के गठन हेतु आज सफलतापूर्वक मतदान संपन्न हुआ। कुल 120 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सोसायटी के चुनाव में उमेश अग्रवाल 120 में 98 मत ला कर एक तरफा जीत दर्ज कर विजयी हुए।

आज हुए मतदान मे अध्यक्ष के लिए उमेश अग्रवाल को 98 वोट व राहुल अग्रवाल को 22 वोट मिले। अन्य पदों में सचिव पद में राजेश अग्रवाल को 78 मत व हरीश बगड़िया को 42 मत, संयुक्त सचिव में दिनेश जायसवाल को 85 मत व अनुपम कुमार को 35 मत किए। उपाध्यक्ष पद के लिए सूरज अग्रवाल (निर्विरोध) व कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीकांत चंद्र (निर्विरोध) निर्वाचित हुए।

चुनाव पदाधिकारी समिति के अध्यक्ष डॉ. अनूप सिन्हा, सचिव मनोज अग्रवाल, एवं सम्मानित पदाधिकारी रमेश बोंदिया, विकास वल्लभ सहाय, विजय सहाय ने अत्यंत शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करवाई।

अंत में समिति अध्यक्ष डॉ. अनूप सिंह द्वारा आधिकारिक रूप से परिणाम घोषित किया गया।

वर्तमान अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल ने चुनाव पदाधिकारियों को सफल एवं सुव्यवस्थित चुनाव सम्पन्न कराने हेतु धन्यवाद दिया तथा पूरे पंचवटी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नयी टीम सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ अच्छा काम करेगी ।

सबसे पहला मत राजू अग्रवाल जी ने दिया। अंतिम मत अनीता उपाध्याय जी ने दिया। विशेष रूप से सराहनीय है कि पारिवारिक कठिन परिस्थिति (पति के एक्सीडेंट) के बावजूद वे स्कूटी से रांची से रामगढ़ मतदान हेतु पहुँचीं उनके इस समर्पण को हृदय से नमन एवं आभार किया गया।

संक्षिप्त खबरें

एलुमनी मीट के अंतर्गत मुफ़्त स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी मीट के अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच सुविधा उपलब्ध कराना था।इस अवसर पर प्रख्यात चिकित्सक डॉ. प्रवीण कुमार (एमबीबीएस, एमडी -एसबीएमसीएच, हजारीबाग), जनरल फिजीशियन एवं हृदय रोगविशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट), ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में रक्तचाप जांच, शुगर जांच, ईसीजी (हृदय जांच), सामान्य शारीरिक परीक्षण, वजन एवं बीएमआई मापन, हृदय रोग परामर्श एवं दवा संबंधी सलाह एक साथ प्रदान की गई। प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। हमारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

फागुन में भक्ति और रंगों की छटा, स्वेता रुनझुन के भजनों से गूंज रहा माहौल

हजारीबाग(बिभा) : फागुन के पावन अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्वेता रुनझुन इन दिनों होली की मस्ती और बाबा श्याम की भक्ति में पूरी तरह रंगी हुई हैं। रानीगंज की यह लोकप्रिय गायिका विभिन्न स्थानों पर आयोजित भक्ति एवं होली मिलन समारोह में लगातार अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुति दे रही हैं।फागुन माह में आयोजित कार्यक्रमों में स्वेता रुनझुन ने बाबा श्याम के भजनों के साथ-साथ होली के पारंपरिक फाग गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। उनके भजनों पर श्रोता झूम उठे और पूरा वातावरण श्याम नाम के जयकारों से गूंजता रहा। स्वेता रुनझुन ने कहा, मेरे लिए फागुन का महीना भक्ति, प्रेम और आनंद का प्रतीक है। बाबा श्याम की कृपा से मुझे विभिन्न मंचों पर भजन गाने का अवसर मिल रहा है, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

वार्ड नंबर 17 में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन, वार्ड पार्षद कुणाल चौरसिया ने दी सौहार्द और एकता की मिसाल

हजारीबाग(बिभा): वार्ड नंबर 17 के वार्ड पार्षद कुणाल चौरसिया द्वारा होली के पावन अवसर पर भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग, गुलाल और आपसी भाईचारे का माहौल देखने को मिला।समारोह के दौरान पार्षद कुणाल चौरसिया ने सभी उपस्थित लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने वार्ड के विकास कार्यों में जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता दोहराई।स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं और क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

जनआशीर्वाद के बाद देवआशीर्वाद अनिल उराँव ने अखिलेश्वर धाम में टेका माथा

लोहरदगा(बिभा): जिले में हुए नगर निकाय चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद भाजपा समर्थित उम्मीदवार अनिल उराँव ने भंडरा अखिलेश्वर धाम तथा खखपरता स्थित प्राचीन मंदिर में भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना कर नए दायित्व के सफल निर्वहन का आशीर्वाद प्राप्त किया।सुबह की पावन बेला में वे अपने परिवारजनों और समर्थकों के साथ मंदिर पहुंचे।उन्होंने जलाभिषेक कर नगर की सुख-शांति समृद्धि और सर्वांगीण विकास की कामना की है।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह विजय किसी एक व्यक्ति की नहीं,बल्कि लोहरदगा की जनता के विश्वास,आशीर्वाद और समर्थन की जीत है।उन्होंने संकल्प लिया कि नगर परिषद के माध्यम से स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। पारदर्शी प्रशासन और सभी वर्गों को साथ लेकर चलना उनकी कार्यशैली की पहचान होगी।इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि उनके नेतृत्व में लोहरदगा विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए करेंगे हर संभव सहायता: सुखदेव भगत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा । महिला विकास मंडल रायडीह की 20वीं वार्षिक अधिवेशन बख्तर साय मुंडन स्टेडियम रायडीह में संपन्न हुआ जिसमें 13 पंचायत के 844 कार्यशील महिला मंडल के हजारों महिला शामिल हुए। इस कार्यक्रम में लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर सांसद का महिला मंडल के सदस्यों द्वारा पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। महिला मंडल के सदस्यों द्वारा सांसद एवं अन्य अतिथियों को बुके एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद ने दीप प्रज्वलित कर किया ।महिला मंडल के अध्यक्ष ने विस्तार से एक वर्षों के क्रियाकलाप की जानकारी दिए ।मौके पर सांसद ने कहा कि महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ना उन्हें उनके अधिकारों को प्रति जागरूक करना और सामाजिक राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना हम सबों की जिम्मेदारी है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होगी तो परिवार और देश आगे बढ़ेगा उन्होंने महिलाओं को शिक्षा पर ध्यान देने की बात कहें साथ ही साथ उन्होंने कहा कि डायन बिसाही हमारे समाज के लिए अभिशाप है इसे हमें दूर करने की आवश्यकता है तथा दारू हाड़ी से भी हमें दूर रहने की जरूरत है। सांसद ने महिला मंडल के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वे आपकी हर सुख दुख में साथ है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में हर संभव सहायता करेंगे। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, गुमला जिला परिषद अध्यक्ष, कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजनील, आलोक साहू, संतोष गुप्ता गुड्डू ,मोती चौबे ,सनी, अमित साहू ,जय सिंह ,मुखिया अनूप जी समेत महिला मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

होली की आहट से गुलजार हुए बाजार, रंग-गुलाल की दुकानों पर उमड़ी भीड़

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले में रविवार को रंगों के पर्व होली को लेकर शहर के बाजारों में रौनक चरम पर रही। सुबह से ही प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अबीर-गुलाल, पिचकारी, रंग-बिरंगे गुब्बारे, मुखौटे और पारंपरिक मिठाइयों की दुकानों पर खासा उत्साह देखा गया। दुकानदारों ने बताया कि इस बार ग्राहकों में हर्बल और ऑर्गेनिक रंगों की मांग अधिक है।बच्चों के लिए आकर्षक कार्टून वाली पिचकारियां और रंगीन टोपी भी खूब बिक रही हैं।वहीं घरों में पकवान बनाने के लिए सूखे मेवे,मैदा,घी और अन्य सामग्री की खरीदारी भी जोरों पर रही।महिलाओं ने कपड़ों और सजावटी सामान की दुकानों पर जमकर खरीदारी की।मिठाई की दुकानों में गुजिया,मालपुआ और दही-बड़ा की विशेष तैयारी की गई है।त्योहार को लेकर प्रशासन भी सतर्क है।बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई है,ताकि पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।कुल मिलाकर होली की आहट के साथ ही बाजारों की चहल-पहल ने त्योहार के रंग को और भी गहरा कर दिया है।फाल्गुन पूर्णिमा के पावन अवसर पर इस वर्ष होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 2 मार्च 2026, दिन सोमवार की रात 11:53 बजे से 12:50 बजे तक निर्धारित किया गया है। श्रद्धालु निर्धारित मुहूर्त में विधि-विधान से होलिका दहन करेंगे। बता दे कि 3 मार्च 2026, दिन मंगलवार को होली मिलन समारोह आयोजित नहीं होगा।इसके बजाय 4 मार्च 2026, दिन बुधवार को सुबह 11 बजे से धुरखेल (धुरउढ़ी) का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा,जिसमें लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे।

अनिल उरांव की जीत भाजपा, आरएसएस एवं सरना-सनातन को विरोध करने वालों के लिए करारा जवाब : सरजू कुमार साहू

लोहरदगा : लोहरदगा नगर परिषद से अध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनिल उरांव जी की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा युवा मोर्चा कुडू प्रखंड अध्यक्ष सरजू कुमार साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर श्री साहू ने कहा कि यह जीत भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता तथा नगर क्षेत्र के सम्मानित मतदाताओं की आशा, अपेक्षा, विकास और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम उन लोगों के लिए करारा जवाब है जो भाजपा, आरएसएस एवं सरना-सनातन विचारधारा को विरोध की दृष्टि से देखते रहे हैं। साथ ही श्री साहू ने आगे कहा कि पिछले कार्यकाल में नगर परिषद में जिस प्रकार भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें जमा ली थीं, अब उन्हें उखाड़ फेंकने का कार्य अनिल उरांव जी के नेतृत्व में किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगर क्षेत्र में नाली, सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति दी जाएगी और नगर परिषद क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जाएगा। अंत में श्री साहू ने कहा कि नगर क्षेत्र की जनता ने जिस भरोसे के साथ अपना समर्थन दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरना ही नई टीम की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

रंग बरसे भीगे चुनर वाली.. की धुन पर झूमे पत्रकार, झारखंडी व्यंजनों और गुलाल के रंगों ने बांधा समां

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह रंगों, उमंग और आपसी सौहार्द के माहौल में भव्य रूप से संपन्न हुआ। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक अंदाज में होली का आनंद उठाया। समारोह की शुरूआत ढोल, मंजीरा और शहनाई की मधुर धुनों के साथ हुई। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की सुरमयी ताल ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इसके बाद जैसे ही फिल्मी गीत रंग बरसे भीगे चुनर वालीङ्ख की धुन गूंजी, पूरा सभागार झूम उठा। बलम पिचकारी और होली के दिन दिल खिल जाते हैं जैसे लोकप्रिय गीतों पर उपस्थित पत्रकारों ने जमकर थिरकते हुए खुशियों का इजहार किया। पारंपरिक होली गीतों पर आधारित प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर झारखंडी व्यंजनों का विशेष प्रबंध किया गया था। बर्रा, धुस्का, मालपुआ समेत कई पारंपरिक पकवानों का स्वाद उपस्थित लोगों को खूब भाया। व्यंजनों की सुगंध और स्वाद ने आयोजन को और भी खास बना दिया। समारोह के दौरान प्राकृतिक रंगों और गुलाल के साथ होली खेली गई। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। पूरे आयोजन में हंसी-ठिठोली, आत्मीयता और आपसी एकजुटता का अनूठा दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम के बीच अरविंद कुमार राणा, जो प्रेस क्लब के सदस्य एवं वर्तमान में नवनिर्वाचित महापौर हैं, उनका आगमन हुआ। उनके पहुंचते ही सभागार में उत्साह का माहौल और भी प्रफुल्लित हो उठा। उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने उन्हें अबीर-गुलाल लगाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर दारू प्रखंड में सेवा का सराहनीय प्रयास : छह बहनों को विवाह पूर्व लहंगा भेंट

बेटियों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, उनका सम्मान हमारा दायित्व बनता हैं करण जायसवाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सदर विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड में जनसेवा और सामाजिक संवेदनशीलता का एक प्रेरक दृश्य देखने को मिला। सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर उनके सुपुत्र करण जायसवाल ने प्रखंड के विभिन्न गांवों में पहुंचकर विवाह के पूर्व छह बहनों को अपने हाथों से उपहार स्वरूप लहंगा भेंट किया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर करण जायसवाल ने कहा कि बेटियां किसी भी समाज की असली शक्ति होती हैं। उनकी खुशियों में सहभागी बनना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा रहना ही हमारे संस्कार और कर्तव्य का परिचायक है। यदि हमारी छोटी-सी पहल से किसी परिवार के चेहरे पर मुस्कान आती है, तो यही हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनकी इस पहल से दारू प्रखंड में सकारात्मक संदेश गया है। आम जनता के बीच करण जायसवाल की छवि एक संवेदनशील, सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ता के रूप में और सुदृढ़ हुई है। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से राजनीति में सेवा और समर्पण की भावना मजबूत होती है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि सांसद मनीष जायसवाल के साथ उनके सुपुत्र करण जायसवाल भी निरंतर सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं और समाज के कमजोर वर्गों के लिए आगे आकर सहयोग करते हैं। बेटियों के सम्मान में उठाया गया यह कदम सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक बनकर सामने आया है। कार्यक्रम के दौरान जिला सांसद प्रतिनिधि जीवन मेहता, सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, दारू प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि बलदेव बाबू, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, विकास यादव, अजीत यादव, विनोद राणा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। परिवारजनों एवं स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रामगढ़ में फाल्गुन धूम ने बिखेरी महिला व्यवसाई के रंगों की छटा, छह वर्षों से निरंतर बढ़ती जा रही धूम

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मारवाड़ी युवा मंच चेतना शाखा द्वारा आयोजित ह्लफाल्गुन धूमह्व कार्यक्रम रंग, उमंग और उत्साह का पर्व बनकर रामगढ़ स्थित बंधन बैंक्वेट में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक चले इस आयोजन में नगरवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही और कार्यक्रम की सफलता ने उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम पिछले छह वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है, और प्रत्येक वर्ष इसका स्वरूप और भव्यता नई ऊँचाइयों को छू रही है। समय के साथ आयोजन का पैमाना, स्टॉलों की संख्या और आकर्षकता निरंतर बढ़ रही है, जिससे यह क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रमुख व्यवसाई ,सामाजिक और सांस्कृतिक पर्व बन गया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कोबरा आर्मी प्री-प्राइमरी स्कूल की प्रधानाचार्या मंजू सिवाच, जिन्हें प्री-प्राइमरी शिक्षा में 15 वर्षों का अनुभव है, उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय संयोजक (स्वास्थ्य एवं मिशन कैंसर जागृति) आशीष अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि दोनों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

शाखा अध्यक्षा डॉ. नीति बरेलिया, सचिव मनीषा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लवली अग्रवाल, मिली अग्रवाल, मीनू बगड़िया एवं अन्य सदस्याएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। आयोजन का सफल संचालन प्रोजेक्ट इंचार्ज पूजा अग्रवाल एवं दीक्षा अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर कुल 35 आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें ज्वेलरी, परिधान, सिल्वर आभूषण, कान्हा पोशाक एवं एक्सेसरीज, फूड स्टॉल, गॉरमेट, बेकरी, स्टेशनरी आइटम सहित अनेक प्रकार के काउंटर शामिल थे। धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, पुरुलिया और रांची से आए स्टॉलधारकों ने भी कार्यक्रम की शोभा और आकर्षण बढ़ाया। फाल्गुन धूम न केवल एक सांस्कृतिक मेला है, बल्कि महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्थानीय व्यापार को सशक्त बनाने और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम भी बन चुका है।

रंग, उमंग और भाईचारे के बीच आरोग्यम परिवार का भव्य होली मिलन समारोह संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के डिस्टिक मोड स्थित एचजेडबी आरोग्यम इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग परिसर में रविवार को एचजेडबी आरोग्यम ग्रुप की ओर से होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। रंगों और उल्लास से सराबोर इस आयोजन में आरोग्यम परिवार के सदस्य, चिकित्सकगण, नर्सिंग छात्र-छात्राएं, कर्मचारी तथा कई गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे परिसर में अबीर-गुलाल की खुशबू, पारंपरिक होली गीतों की मधुर धुन और आपसी आत्मीयता का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा, प्रशासक जया सिंह तथा आरोग्यम अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रजत चक्रवर्ती सहित अन्य चिकित्सकों ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें होली के पारंपरिक गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। उपस्थित लोगों ने तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर हजारीबाग नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर अरविंद कुमार राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उनके आगमन पर संस्थान की ओर से माला पहनाकर एवं पारंपरिक पगड़ी भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। महापौर श्री राणा ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आरोग्यम परिवार स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है और इस प्रकार के आयोजन सामाजिक संबंधों को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

ललित गर्ग

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी।

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व

फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। ह्लबुरा न मानो होली हैह्व का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। ह्लनया भारतह्व और ह्लविकसित भारतह्व की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किताब पर 'सुप्रीम' पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर 'पूर्ण प्रतिबंध' (ब्लैंकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्' (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया-यह हम क्या पढ़ा रहे हैं? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है?

चिंतन-मनन

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मनस्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

इजरायल- ईरान का छद्म युद्ध से क्या पश्चिम एशिया में बढ़ेगा तनाव?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है, और इस अस्थिरता की एक प्रमुख धुरी है इजरायल और ईरान के बीच चल रहा छद्म युद्ध। यह टकराव प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय परोक्ष हमलों, साइबर हमलों, खुफिया अभियानों और क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से लड़ा जाता रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि यह छद्म संघर्ष खुली सैन्य भिड़ंत का रूप ले सकता है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव भड़क सकता है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध भले ही कम देखने को मिला हो, लेकिन विभिन्न मोर्चों पर अप्रत्यक्ष टकराव लगातार जारी रहा है। यही कारण है कि क्षेत्र में किसी भी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ सकता है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों का केंद्र है। इसलिए किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। वहीं ईरान भी इजरायल की नीतियों और पश्चिमी देशों के साथ उसके गठजोड़ की खुलकर आलोचना करता रहा है। इस वैचारिक और सामरिक टकराव ने दोनों देशों के रिश्तों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है।

ईरान और इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरे हैं। इजरायल जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है, वहीं ईरान इजरायल की क्षेत्रीय नीतियों का विरोध करता है। सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का प्रभाव टकराता रहा है। लेबनान में सक्रिय हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे संगठनों को लेकर इजरायल और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हमलों का सिलसिला चलता रहा है।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच साइबर हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त अभियानों की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों पक्ष अक्सर प्रत्यक्ष जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते, लेकिन क्षेत्रीय विशेषज्ञ इसे ₹शैडो वॉर₹ यानी छद्म युद्ध की संज्ञा देते हैं।

यदि यह संघर्ष खुलकर सामने आता है तो इसका प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। किसी भी बड़े सैन्य टकराव से तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट पैदा हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, जिससे संघर्ष का दायरा और व्यापक हो सकता है।

ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवाद की है। क्षेत्र पहले ही सीरिया, यमन और गाजा जैसे संघर्षों से प्रभावित है। एक और बड़े युद्ध की संभावना पूरे क्षेत्र को दीर्घकालिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी छद्म युद्ध यदि भड़कता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ेगा। कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए ही इस संभावित संकट को टाला जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था भी हो सकती है प्रभावित

आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तक फैल जाता है। वैश्विक राजनीति, व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि यदि बड़े देशों के बीच टकराव या आर्थिक प्रतिबंधों की स्थिति बनती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा ढांचे पर पड़ सकता है।

हाल के वर्षों में विश्व ने कई उदाहरण देखे हैं। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया। यूरोप में गैस संकट गहराया और दुनिया भर में महंगाई बढ़ी। इसी तरह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी सहयोग पर निर्भर है। यदि बड़े देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध या आर्थिक प्रतिस्पर्धा तेज होती है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच देखने को मिलता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ता है। चिप निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

इसके साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो सैन्य खर्च बढने लगता है और कूटनीतिक संवाद कमजोर पड़ जाता है। कई देश अपने-अपने सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने लगते हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। यह स्थिति लंबे समय में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है।

ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बहुपक्षीय संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त प्रयासों से ही आर्थिक स्थिरता बनाए रखी जा सकती है और सुरक्षा संबंधी तनाव को कम किया जा सकता है। दुनिया के बड़े देशों को यह समझना होगा कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग ही स्थायी विकास और वैश्विक शांति का आधार बन सकता है।

स्पष्ट है कि यदि वैश्विक तनाव बढ़ता है तो उसका प्रभाव केवल राजनीतिक या सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था दोनों पर दूरगामी असर पड़ सकता है। इसलिए संतुलित कूटनीति, आर्थिक सहयोग और पारदर्शी संवाद ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नया बीज बिल- 2026: किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

सुनील कुमार महला

भारत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मिट्टी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है।

इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।

नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया।

प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन जरूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाजार में नहीं बेचा जाएगा। पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन जरूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हजार्ना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे।

इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मजबूत और साफ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी।

असल में, सरकार ने यह भी साफ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आजादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक जरूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवजा, बीज बाजार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है।

अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मजबूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी।

नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो।

जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है, चाहे महाराष्ट्र में नकली कपास के बीजों से प्रभावित किसानों का मामला हो या आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छापे के दौरान जब्त किए गए नकली खाद और बीजों का मामला हो-कमजोर कानून व्यवस्था हर जगह दोषियों को बचा रही है। हर साल हजारों परिवार इस समस्या से प्रभावित होते हैं, क्योंकि फसल खराब होने से कर्ज बढ़ जाता है और परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं।

यह भी चिंता की बात है कि हाल के सालों में छापे कम हुए हैं, और दोषियों को सजा भी काफी कम मिली है। असरदार मॉनिटरिंग की कमी के कारण, संबंधित एजेंसियां अक्सर लापरवाही के लिए किसानों को ही दोषी ठहराती हैं। यह बात कि नकली बीजों के बारे में सिर्फ एक-तिहाई शिकायतों पर ही कार्रवाई हुई है, इस स्थिति का सबूत है।

आखिरकार, बुनियादी सवाल किसानों की सुरक्षा और भरोसे का है। सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। किसानों का भरोसा तभी वापस लाया जा सकता है जब एक पारदर्शी जांच सिस्टम, तुरंत मुआवजा देने का सिस्टम और दोषियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई हो। नहीं तो, एग्रीकल्चर सेक्टर और किसानों के सामने जो संकट है, उसे हल करना मुश्किल होगा।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता

है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है।

रंगों का महापर्व होली

रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

राधा-श्याम गोप और गोपियो की होली

इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्ह्य-सूत्र। नारद पुराण औऱ भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है।

होली खेलें पर सावधानी से

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

- अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।
- आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।
- बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।
- नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।
- घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।
- बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।
- ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।
- होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।
- यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छींटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।
- यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।
- यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्त्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्त्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है।

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं

आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

सार्वजनिक होली मिलन

सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं।

होली से अगला दिन धूलिवंदन कहलाता है। इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है। लोग अपनी ईर्ष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।होली के दिन घरों में खीर, पूरी और पूड़े आदि विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दहीबड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं। पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं। इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्राय: सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता ।

भगवान नृसिंह द्वारा हिरण्यकशिपु का वध

माना जाता हैं कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के दर्प में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है।

वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है। प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज़्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज़्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर में कटे 61 लाख नाम, 8 फीसदी की गिरावट

पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी एसआईआर की प्रक्रिया शनिवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में 8 फीसदी यानी करीब 61 लाख की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य 60 लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक बंगाल की नई मतदाता सूची में 7.04 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा पुरुष मतदाताओं की संख्या 3,60,22,642 है। इसके बाद महिला मतदाताओं की संख्या 3,44,35,260 है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या 1,382 है। अब तक 63,66,952 नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि 60,06,675 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त 501 न्यायिक अधिकारी इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री सूची जारी नहीं होती, ये 60 लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया।

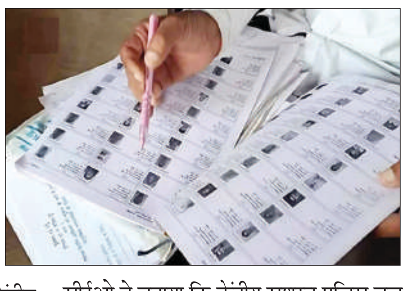

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। सीएम ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा। चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 240 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और 240 अन्य कंपनियां 10 मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू (एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की। जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है। ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस और डीएमके में बनी सहमति, सीट बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्ची (एमएमके) को दो-दो विधानसभा

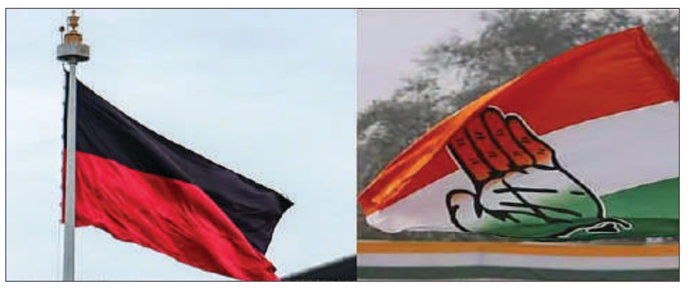

सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में 35 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 27 या 28 सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार 2 मार्च 2026 को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्ची (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है। एमके स्टालिन की रणनीति साफ है—सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में क़रीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाज़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में सरकार, स्टार्टअप और क्रिएटर्स का संगम

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय मीडिया, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों में स्टार्टअप-आधारित एआई नवाचारों का प्रदर्शन कर रहा है

बिहान भारत

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का शुभारंभ 16 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर पहला अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत को वैश्विक एआई संवाद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हिस्सेदार के तौर पर स्थापित करता है, जो एआई-आधारित प्रगति पर जोर देता है और पीपुल (लोग), प्रोग्रेस (विकास) और प्लेनेट (ग्रह) को प्राथमिकता देता है।
नवाचार और व्यापक तैनाती में अग्रणी स्टार्टअप्स के साथ, यह सम्मेलन समावेशी और संपोषित विकास को प्रोत्साहन देते हुए जिम्मेदार, स्वदेशी एआई क्षमताओं के लिए भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।
इसका एक प्रमुख आकर्षण सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का समर्पित एमआईबी पवेलियन है, जो मीडिया, मनोरंजन, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों के संगम पर भारत के फलते-फूलते एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रदर्शित करता है। वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर के माध्यम से, पवेलियन लाइव परफॉर्मेंस, पैनल चर्चा, मास्टरक्लास, अनौपचारिक बातचीत और स्टार्टअप के प्रदर्शन के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है, जिससे संस्थापकों, नीति निमार्ताओं, निवेशकों, रचनाकारों और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के बीच सीधा संवाद संभव हो पाता है।
इस प्रदर्शनी में मुख्य तौर पर एवीजीसी-एक्सआर (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) और मीडिया टेक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां 51 स्टार्टअप कंटेंट निर्माण, गहन अनुभव, बहुभाषी टूल्स, अनुकूलक गेमप्ले और डिजिटल स्टोरीटेलिंग जैसे क्षेत्रों में बाजार के लिए तैयार, एआई से कार्यान्वित होने वाले समाधानों का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह फैलाव भारत सरकार की ओर से रचनात्मक अर्थव्यवस्था को विकास, रोजगार और नवाचार के एक रणनीतिक कार्यवाहक के तौर पर मान्यता देने को दशार्ता है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था में विकास को गतिः केंद्रीय बजट 2026-27

रचनात्मक अर्थव्यवस्था में वे उद्योग शामिल हैं, जहां रचनात्मकता, संस्कृति, प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा से मूल्य निर्माण होता है। इसमें मीडिया और मनोरंजन, एनिमेशन और वीएफएक्स, गेमिंग, लाइव इवेंट और डिजिटल कंटेंट प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जो वैश्विक बाजारों में काम करते हैं और जीडीपी, रोजगार और निर्यात में योगदान देते हैं। ऑरेंज इकोनॉमी की व्यापक परिकल्पना के अंतर्गत, संस्कृति और रचनात्मकता को रणनीतिक आर्थिक संपत्तियों के तौर पर देखा जाता है - विरासत और प्रतिभा को नवाचार, बाजार पहुंच और वैश्विक साझेदारी से जोड़कर आय और अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव तैयार किया जाता है। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) और एआई इम्पैक्ट समिट 2026 जैसे प्लेटफॉर्म रचनाकारों, स्टार्टअप्स, निवेशकों और नीति निमार्ताओं को जोड़कर सह-निर्माण, आईपी मार्केटप्लेस लिंकेज, इनक्यूबेशन और सीमा पार सहयोग को योग्य बनाकर इस विचार को वास्तविक बनाते हैं।
केंद्रीय बजट 2026-27 इस दिशा को और मजबूत करता है, जिसमें रचनात्मक (ऑरेंज) अर्थव्यवस्था को विकास, रोजगार और नवाचार के कार्यवाहक के तौर पर मान्यता दी गई है, खास तौर पर एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर जोर दिया गया है, जो डिजिटल और एआई-आधारित निर्माण से जुड़ा हुआ है। यह बजट इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी), मुंबई को देश भर के 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने में मदद करता है, जिससे कुशल प्रतिभाओं का एक मजबूत स्त्रोत तैयार हो सके। एवीजीसी क्षेत्र में 2030 तक लगभग 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता का अनुमान है, जो रचनात्मक अर्थव्यवस्था को डिजिटल पीढ़ी के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्त्रोत बनाता है।

एमआईबी पवेलियनः फोकस क्षेत्र और मुख्य विशेषताएं

एमआईबी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में मीडिया, मनोरंजन, गेमिंग और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत की एआई स्टार्टअप क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित पवेलियन तैयार किया है। यह पवेलियन एक ऐसे सेक्टर में काम करता है, जो सांस्कृतिक महत्व से आर्थिक केंद्र में परिवर्तित हो चुका है।
भारत के मीडिया और मनोरंजन सेक्टर का वैल्यूएशन 2024 में लगभग ?2.5 ट्रिलियन था, और अनुमान है कि 2027 तक इसका कुल राजस्व ?3.067 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा, जो लगभग 7 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा। अकेले डिजिटल मीडिया का इस क्षेत्र के राजस्व में लगभग एक तिहाई हिस्सा है, जो प्लेटफॉर्म-आधारित प्रोडक्शन और वितरण मॉडल की ओर तेजी से हो रहे बदलाव को प्रतिबिंबित करता है। बड़ा इकोसिस्टम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10 मिलियन से अधिक लोगों की आजीविका में सहयोग करता है और लगभग ?3 लाख करोड़ का वार्षिक उत्पादन करता है।
इस विस्तृत कार्यक्रम में, पवेलियन तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी निमार्ताओं, कंटेंट निमार्ताओं, निवेशकों, नीति निमार्ताओं और वैश्विक हितधारकों को एक साथ लाता हैः

- मीडिया और मनोरंजनः कंटेंट निर्माण, उत्पादन और वितरण के लिए एआई-संचालित समाधान पवेलियन के प्रदर्शन का केंद्र बिंदु हैं। यह खंड, एक ऐसी मीडिया इंडस्ट्री में काम करता है, जहां:
- डिजिटल मीडिया राजस्व 2024 में ?802 बिलियन था, जिसके 2027 तक ?1,104 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।
- फिल्म मनोरंजन से 2024 में ?187 बिलियन की आय हुई, जिसमें स्थिर प्रगति का अनुमान है।
- एनिमेशन और वीएफएक्स का योगदान 2024 में लगभग ?103 बिलियन रहा, जिसके 2027 तक बढ़कर ?147 बिलियन होने की उम्मीद है।

स्टार्टअप एआई-सहायता से फिल्म निर्माण, वर्चुअल प्रोडक्शन, स्वचालित संपादन, बहुभाषी डबिंग, वॉइस सिंथेसिस, एआई अवतार और डिजिटल स्टोरीटेलिंग टूल्स का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये एप्लिकेशन प्रोडक्शन प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाते हैं और विविध भाषाई बाजारों वाले देश में बहुभाषी पहुंच का विस्तार करते हैं। जैसे-जैसे डिजिटल राजस्व पारंपरिक प्रारूपों से आगे निकल रहा है, एआई एकीकरण कंटेंट वर्कफ्लो में मापनीयता और लागत अनुकूलन को मजबूत कर रहा है।

- गेमिंग और इमर्सिव टेक्नोलॉजीजः गेमिंग भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है।
- ऑनलाइन गेमिंग ने 2024 में ?232 बिलियन का राजस्व अर्जित किया, जिसके 2027 तक ?316 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।
- यह क्षेत्र एवीजीसी-एक्सआर इकोसिस्टम के सबसे गतिशील घटकों में से एक है।

मोबाइल की बढ़ती पहुंच और डिजिटल तौर पर जागरूक आबादी के कारण भारत यूजर्स बेस के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में शुमार है। बढ़ते मुद्रीकरण, घरेलू स्टूडियो का विस्तार और वैश्विक प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण से गेमिंग का स्वरूप लोगों के प्लेटफॉर्म पर भागीदारी से बदलकर एक सुनियोजित डिजिटल उद्योग प्रगति में तब्दील हो रहा है।
एमआईबी पवेलियन में प्रदर्शित की गई चीजों में गेम एसेट डेवलपमेंट के लिए जेनेरेटिव एआई, रियल-टाइम कमेंट्री सिस्टम, एडाप्टिव गेमप्ले इंजन, इमर्सिव वातावरण और इंटरैक्टिव स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी शामिल हैं। ये नवाचार गेमिंग के उपभोग से एआई-आधारित गेम्स का निर्माण और इमर्सिव प्लेटफॉर्म निर्माण की ओर बदलाव को दिखाते हैं।

- रचनात्मक और सामग्री प्रौद्योगिकियांः एनिमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियल्टी से जुड़ा व्यापक एवीजीसी-एक्सआर इकोसिस्टम, रचनात्मक अर्थव्यवस्था का सबसे अधिक प्रौद्योगिकी-प्रधान क्षेत्र है।

भारत का एनिमेशन और वीएफएक्स क्षेत्र एक वैश्विक स्तर पर एकीकृत उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो अंतरराष्ट्रीय फिल्मों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, विज्ञापन अभियानों और इमर्सिव एक्सपीरियंस में योगदान देता है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, चेन्नई और तिरुवनंतपुरम में स्थापित रचनात्मक केंद्र इस इकोसिस्टम को आधार प्रदान करते हैं, जिन्हें मध्य-स्तरीय और वरिष्ठ प्रतिभाओं के बढ़ते आधार का सहयोग प्राप्त है।
एमआईबी पवेलियन में पॉडकास्ट, वर्चुअल स्टूडियो, इमर्सिव थिएटर, अनुभवात्मक मीडिया और निमार्ता उपकरणों के लिए एआई अनुप्रयोग प्रदर्शित किए गए हैं, जो इन उत्पादन प्रक्रियाओं में एकीकृत होते हैं। एवीजीसी सेक्टर में अगले दशक में लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के निर्माण के अनुमान के साथ, एआई-योग्य क्रिएटिव टेक्नोलॉजी आर्थिक और रोजगार दोनों के गुणक के रूप में उभर रही हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन की प्रमुख विशेषताएं

- एमआईबी पवेलियन के भीतर स्थित वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर, पैनल चचाओं, मास्टरक्लास, अनौपचारिक विचार-विमर्श और स्टार्टअप प्रदर्शनियों के लिए एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है।
- भारत के एवीजीसी-एक्सआर और मीडिया टेक क्षेत्र के 51 स्टार्टअप इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में एआई-आधारित नवाचारों का प्रदर्शन कर रहे हैं।
- एमआईबी के साथ साझेदारी में अडोब, इंडिया एआई के दौरान भारत के एआई-योग्य क्रिएटिव इकोसिस्टम का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें एक प्रमुख आकर्षण कथावतार है, जो भारत में निर्मित पांच एआई शॉर्ट फिल्मों - लैंग्वेज ऑफ बर्ड्स, मिगोई, उत्तरायण, द बार्बर्स सीक्रेट और यप्पासौरस - का एक सुनियोजित प्रदर्शन है, जिसे वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर के एआई थिएटर में प्रदर्शित किया गया। अडोब ह्लफिल्म का भविष्यः एआई, रचनात्मकता और शिल्पह्व शीर्षक से एक विशेष सत्र का आयोजन कर रहा है, साथ ही एक कंटेंट क्रिएशन हब भी है, जो एआई-आधारित वीडियो प्रोडक्शन वर्कफ्लो का प्रदर्शन करेगा, जिससे तेज, बड़े स्तर पर और नया कंटेंट निर्माण संभव होगा।
- प्रख्यात फिल्म निर्देशक शेखर कपूर एआई-संचालित कहानी कहने और सिनेमाई प्रथाओं के विकास पर एक मास्टरक्लास का नेतृत्व करेंगे।
- प्रमुख प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में जीरो-टच ऑटोनॉमस न्यूजरूम, बहुभाषी डबिंग और एआई सांकेतिक भाषा अवतारों के साथ भाषा-वॉल, संवाद सेतु, द डायरेक्टर्स चेयर, एआई पॉडकास्ट स्टूडियो, संवादात्मक ह्यूमेनॉइड रोबोट और वॉयस क्लोनिंग समाधान शामिल हैं।
- भाषासेतु और कलासेतु चैलेंज के विजेता सांस्कृतिक संरक्षण और भाषाई सुलभता के लिए एआई उपकरण प्रस्तुत करेंगे।
- 270-डिग्री प्रोजेक्शन और आकाशीय डिजाइन वाला एआई इमर्सिव थिएटर, चुनिंदा एआई फिल्में और इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के सिनेमाएआई हैकेथॉन के फाइनलिस्ट प्रदर्शित किए जाएंगे।
- एमआईबी पवेलियन में निर्धारित सत्रों में एलटीएम ब्लूवर्स, एडब्ल्यूएस, गूगल विद एवरजेंट, सोनी रिसर्च इंडिया, पर्पलटॉक, डैशवर्स, पॉकेट एफएम, कूकू एफएम और लुमिकाई के नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा, जो जानकारी के आदान-प्रदान, नीतिगत संवाद और जिम्मेदार एआई रचनात्मक सेवाओं में भारत के नेतृत्व को प्रोत्साहन देंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन भारत की बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आकर्षण है, जहां वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर के अंतर्गत 51 एआई-आधारित स्टार्टअप, उद्योग जगत के अग्रणी और वैश्विक साझेदार एक साथ आए हैं। इमर्सिव थिएटर अनुभवों, एडवांस न्यूज रूम और गेमिंग तकनीकों जैसे प्रदर्शनों के जरिए, एमआईबी पवेलियन कंटेंट निर्माण और डिजिटल प्लेटफॉर्म में एआई के व्यावहारिक एकीकरण को प्रदर्शित करता है। ये सभी आकर्षण मिलकर एक ऐसे क्षेत्र को दशार्ते हैं जो मूल्य, क्षमता और वैश्विक प्रासंगिकता के मामले में तेजी से विकसित हो रहा है।

भारत के एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारतीय एआई और गेमिंग स्टार्टअप्स ने प्रमुख भूमिका निभाई

एआई-संचालित गेमिंग और इमर्सिव मीडिया भारत के बढ़ते एवीजीसी इकोसिस्टम में एक रणनीतिक स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। यह सम्मेलन इस विषय पर प्रकाश डालता है कि एआई किस प्रकार प्रोडक्शन पाइपलाइन को गति देता है, इंटरैक्टिव स्टोरीटेलिंग को बेहतर बनाता है और मौलिक आईपी निर्माण को प्रोत्साहन देता है।
गेमिंग और इंटरैक्टिव टेक्नोलॉजी श्रेणी के अंतर्गत, पांच अग्रणी भारतीय स्टार्टअप अत्याधुनिक एआई-संचालित समाधानों का प्रदर्शन करेंगे, जो एआई, गेमिंग, इमर्सिव मीडिया और उद्यम परिवर्तन के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व को उजागर करेंगे।

- रचनात्मक उत्पादन के लिए जेनेरेटिव एआईः यसग्नोम गेम स्टूडियो और क्रिएटिव टीमों के लिए तैयार किया गया एक एडवांस कला-उत्पादन मंच, स्केटली एआई प्रस्तुत करेगा। उत्पादन के लिए तैयार एसेट जेनेरेशन, मालिकाना स्टाइल ट्रेनिंग, तेज पुनरावृति और स्केलेबल वर्कफ्लो को सक्षम करके, यह मंच दशार्ता है कि कैसे एआई कंटेंट पाइपलाइन को बदल रहा है, कलात्मक सामंजस्य और स्टूडियो पहचान को बनाए रखते हुए बाधाओं को कम कर रहा है।
- स्पोर्ट्स गेमिंग में रियल-टाइम जनरेटिव एआईः मेटास्पोर्ट्स (हिटविकेट) अपने मल्टीप्लेयर क्रिकेट प्लेटफॉर्म में एकीकृत जनरेटिव एआई-संचालित लाइव कमेंट्री इंजन का प्रदर्शन करेगा। गेमप्ले का त्वरित समय पर विश्लेषण करके और प्रासंगिक, आवाज-योग्य कमेंट्री प्रदान करके, यह सिस्टम खेल में तल्लीनता और वैयक्तिकरण को बढ़ाता है, यह दशार्ता है कि एआई के माध्यम से कहानी कहने की कला इंटरैक्टिव स्पोर्ट्स मनोरंजन को कैसे बेहतर बनाती है।
- कंसोल-स्तरीय मोबाइल गेमिंग इकोसिस्टमः कोयोजो अपने एकीकृत हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जो स्मार्टफोन को कंसोल-स्तरीय गेमिंग डिवाइस में बदल देता है। इंटेलिजेंट बटन मैपिंग, रिमोट प्ले इंटिग्रेशन, परफॉर्मेंस एनालिटिक्स और मॉड्यूलर हार्डवेयर इनोवेशन के माध्यम से, यह प्लेटफॉर्म भारत के मोबाइल गेमिंग इकोसिस्टम में फैले हुए बिखराव को दूर करते हुए उच्च-प्रदर्शन प्रतिस्पर्धी गेमप्ले को सक्षम बनाता है।
- मानव बनाम एआई इंटरैक्टिव एक्सपीरियंसः यूथ बज (ऑर्किडियम) ˜मैन वर्सेस जीपीटी˜ प्रस्तुत करेगा, जो एक लाइव, अनुकूलनीय गेमप्ले प्रारूप है, जिसमें मानव प्रतिभागी त्वरित समय में सीखने और विकसित होने वाले एआई एजेंटों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह शोकेस जटिल एआई तंत्रों को सरल बनाकर दर्शकों के लिए आकर्षक अनुभव प्रदान करता है, जो इंटरैक्टिव मनोरंजन में मौलिक बौद्धिक संपदा की दिशा में भारत के प्रयासों को उजागर करता है।
- एंटरप्राइज कॉग्निटिव एआई रेडीनेसः इवाविव अपने न्यूरोसाइंस-आधारित एएफईआरआर मॉडल पर आधारित एंटरप्राइज कॉग्निटिव एआई रेडीनेस टूल का अनावरण करेगा। सम्मेलन में एक लाइव डायग्नोस्टिक लैब के रूप में काम करते हुए, यह टूल एआई को अपनाने के लिए नेतृत्व और संगठनात्मक तैयारियों का मूल्यांकन करता है, तकनीकी मापदंडों से आगे बढ़कर संज्ञानात्मक अनुकूलन क्षमता और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ निर्णय लेने की क्षमता के संरेखण का आकलन करता है।

भारत के एआई गेमिंग भविष्य में निवेश

गेम डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित ˜नया स्वर्णिम युगः भारत के एआई-संचालित गेमिंग भविष्य में निवेश˜ शीर्षक से एक विशेष पैनल चर्चा में वैश्विक निवेशक और उद्योग जगत के नेता भारत के एआई-संचालित गेम विकास और इंटरैक्टिव मीडिया में बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होंगे।
इस सत्र में निवेश के बदलते रुझानों, एआई-सक्षम उत्पादन मॉडलों, कौशल विकास पहलों और उन नीतिगत ढांचों का विश्लेषण किया जाएगा, जो एआई-संचालित गेमिंग नवाचार में भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने में तेजी लाने के लिए आवश्यक हैं।
ये स्टार्टअप मिलकर यह दशार्ते हैं कि एआई किस प्रकार प्रयोग के दायरे से आगे बढ़कर गेमिंग उत्पादन, इमर्सिव एक्सपीरियंस और उद्यम परिवर्तन फ्रेमवर्क में मिल हो रहा है। इनके समाधान एक परिपक्व इकोसिस्टम को प्रतिबिंबित करते हैं, जो रचनात्मक नवाचार को स्केलेबल प्रौद्योगिकी तैनाती के साथ जोड़ता है। सामूहिक आधार पर, ये भारत को केवल उपभोक्ता बाजार के बजाय एआई-आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म के विकासकर्ता के रूप में उभरने का संकेत देते हैं।

भारतीय रचनात्मक उद्योग के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारतीय एआई स्टार्टअप्स और रचनात्मक पेशेवरों के लिए वैश्विक नवाचार, पूंजी और नीति नेटवर्क से जुड़ने के नए रास्ते खोले हैं। 300 से अधिक चुनिंदा पवेलियन और लाइव प्रदर्शनों के साथ, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में 600 से अधिक स्टार्टअप और 13 देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहे हैं, जो मीडिया और मनोरंजन, एवीजीसी-एक्सआर, गेमिंग, इमर्सिव टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान को प्रोत्साहन दे रहे हैं।
100 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों, अनुसंधान निकायों और सार्वजनिक संस्थानों की भागीदारी अंतरराष्ट्रीय उत्पादन प्रणालियों और नियामक परिदृश्यों की जानकारी प्रदान करती है। इस तरह के आदान-प्रदान रचनात्मक एआई, एनिमेशन, गेमिंग और आईपी-आधारित सामग्री में मानक निर्माण में सहयोग करते हैं, साथ ही सह-निर्माण, निवेश और नए बाजार अवसरों के दरवाजे खोलते हैं।
नवाचार चुनौतियां और रणनीतिक संवाद एआई मानकों और डिजिटल व्यापार फ्रेमवर्क को आकार देने वाले प्रभावशाली वैश्विक मंचों में भारतीय उद्यमों की स्थिति को और मजबूत करते हैं। ये सभी सहभागिताएं मिलकर भारत की रचनात्मक और एआई-संचालित उद्योगों को विश्व स्तर पर विस्तारित करने की क्षमता को मजबूत करती हैं, साथ ही एक जिम्मेदार, समावेशी और विस्तार योग्य वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देती हैं।

प्रमुख बातें

- वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर रचनात्मक क्षेत्रों में बाजार के लिए निर्मित एआई समाधानों और संस्थापक-नेतृत्व वाले नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए प्राथमिक मंच के तौर पर कार्य करता है।
- एवीजीसी-एक्सआर और मीडिया टेक सेक्टर्स के 51 स्टार्टअप की भागीदारी भारत के एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम की गहराई और कार्यान्वयन में परिपक्वता को दशार्ती है।
- एमआईबी-अडोब की साझेदारी नए स्तर पर ले जाने लायक एआई-योग्य रचनात्मक वर्कफ्लो, फिल्ममेकिंग में नवाचार और मौलिक बौद्धिक संपदा निर्माण को उजागर करती है।
- एआई से चलने वाले गेमिंग और इमर्सिव मीडिया स्टार्टअप क्रिएटिव प्रोडक्शन, लाइव स्पोर्ट्स में सहभागिता, अनुकूलक गेमप्ले और उद्यम के इस्तेमाल के विषयों में अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हैं।

निष्कर्ष

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईबी पवेलियन यह दशार्ता है कि भारत किस प्रकार स्टार्टअप्स, क्रिएटर्स और नवाचारियों के नेतृत्व में अपने एआई विजन को मूर्त और बाजार के लिए तैयार परिणामों में परिवर्तित कर रहा है। मीडिया, गेमिंग, इमर्सिव और क्रिएटिव तकनीकों के मिलकर किए गए प्रदर्शन के माध्यम से, एमआईबी पवेलियन भारत की एआई क्षमताओं की गहराई और प्रौद्योगिकी, संस्कृति और उद्यम के बढ़ते फैलाव को उजागर करता है।
पांच दिनों के सुनियोजित कार्यक्रम के माध्यम से, पवेलियन स्टार्टअप्स, नीति निमार्ताओं, निवेशकों, क्रिएटर्स और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के बीच निरंतर जुड़ाव को सक्षम बनाएगा। संस्थापक-नेतृत्व वाली कहानियों, नीतिगत संवाद और उद्योग सहयोग ने मिलकर भारतीय एआई नवाचार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और स्थानीय स्तर पर मजबूत स्थिति में स्थापित किया है।
स्टार्टअप प्रदर्शनियों, रचनात्मक प्रयोगों, शासन संबंधी चचाओं और वैश्विक बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के मेल से, यह पवेलियन भारत के जिम्मेदार, समावेशी और विस्तार योग्य एआई विकास के दृष्टिकोण को भी मजबूत करेगा। यह एआई-आधारित प्लेटफॉर्म बनाने, रचनात्मक अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और वैश्विक दक्षिण से भारत को वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में एक अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करने की व्यापक राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को प्रत्यक्ष तौर पर प्रतिबिंबित करता है।

टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर सुपर 8 में अजेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए सुपर एट के अपने आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सुपर एट में अपनी अजेय बढ़त कायम की। 154 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, प्रोटियाज टीम को पावरप्ले के अंदर ही शुरुआती तीन विकेट गंवाने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा। क्विंटन डी कॉक पहले ही ओवर में सिकंदर रजा के हाथों आउट हो गए। जिम्बाब्वे के कप्तान ने अगले ही ओवर में एडन मार्कराम को सिर्फ चार रन पर आउट करके फिर से झटका दिया। रायन रिकेल्टन ने कुछ बड़े शॉट खेले लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए।

डेविड मिलर क्रीज पर देवाल्ड ब्रेविस के साथ शामिल हुए और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, लेकिन ब्लेसिंग मुजरबानी ने 10वें ओवर में उनकी साझेदारी तोड़ दी। मिलर ने 16 गेंदों में दो छक्के और दो चौकों की मदद से 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ब्रेविस ने चार छक्के और दो चौके लगाकर मात्र 18 गेंदों में 42 रन बनाए, लेकिन रजा के हाथों आउट हो गए। ट्रिस्टन स्टब्स (24 गेंदों में 21 रन नाबाद) और जॉर्ज लिंडे (21 गेंदों में 30 रन नाबाद) ने दक्षिण अफ्रीका को 13 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे लीग चरण में अपराजित रही, लेकिन सुपर एट में लगातार तीन हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों, जिनमें क्वेना माफाका और एनरिच नॉर्त्जे शामिल थे, द्वारा शुरुआती विकेट लेकर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया गया। कप्तान सिकंदर रजा ने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर एकमात्र प्रतिरोध दिखाया।

जिम्बाब्वे ने पहली पारी के दूसरे ओवर में अपने सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी का विकेट खो दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज को मात्र सात रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे ने ब्रायन बेनेट को 13 गेंदों में 15 रन पर आउट कर दिया, जिसमें दो चौके शामिल थे। पावर प्ले समाप्त होने के बाद, जिम्बाब्वे का स्कोर 45/2 था। नौवें ओवर में, जॉर्ज लिंडे ने डियोन मायर्स को 16 गेंदों में 11 रन पर आउट कर दिया, जिसमें एक चौका शामिल था। 10वें ओवर की समाप्ति के बाद जिम्बाब्वे ने 80/3 का स्कोर बनाकर अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

'हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं', दुबई में फंसी पीवी सिंधु ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर फंस गई हैं। सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया है। सिंदू ने बताय कि कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ था। हालांकि सिंधू और उनके इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा सुरक्षित हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधू और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है।

ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। सिंधू ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर तनावपूर्ण पलों के बारे में विस्तार से बताया।

सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुश्किल बढ़ती जा रही है और हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ।' सिंधू ने लिखा, 'मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनावपूर्ण और डरावना पल था।' भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नई दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय ढ्ढ में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20आई में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर भी थीं।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फॉर्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नॉरिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना और निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है। महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी। महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)। पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था।

श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि, आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी। हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है। वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और क्रीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी।

डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, 'मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।' यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, 'यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ़्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ़्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।' हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बॉल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए।

सलमान अली आगा की कप्तानी पर संकट गहराया

- माइक हेसन रहे तो शादाब खान बनेंगे नए कप्तानः शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सलमान अली आगा की कप्तानी में टीम बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी, और कप्तान का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। लगातार आलोचनाओं के बीच पाकिस्तान की टीम प्रबंधन और कप्तानी को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि अगर कोच माइक हेसन अपना पद बनाए रखते हैं तो शादाब खान पाकिस्तान टीम के अगले कप्तान होंगे। अफरीदी के इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि शादाब खान और हेसन का जुड़ाव काफी पुराना है, जो पाकिस्तान सुपर लीग की टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड के समय से रहा है। अफरीदी के अनुसार शादाब एक बुरे विकल्प नहीं हैं, लेकिन उनकी

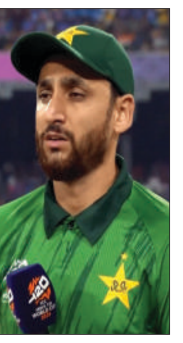

गेंदबाजी में प्रदर्शन में सुधार जरूरी है ताकि वह टीम को और मजबूती से नेतृत्व दे सकें। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें धागे से लटकी हुई थीं, लेकिन इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत ने पाकिस्तान की थोड़ी उम्मीद जगाई है। फिर भी पाकिस्तान के लिए रास्ता आसान नहीं है। टीम को अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 64 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी, या फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच 13.1 ओवर के भीतर समाप्त करना होगा। फिलहाल न्यूजीलैंड का रन रेट (+1.390) पाकिस्तान (-0.461) से काफी बेहतर है, इसलिए पाकिस्तान को बड़े अंतर वाली जीत ही सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है। सलमान अली आगा की कप्तानी पिछले कुछ मैचों से विवादों में है। पाकिस्तान के खेल विश्लेषक और पूर्व खिलाड़ी लगातार उनके फैसलों और मैदान पर कमजोर रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं। क्रिकेट फैंस भी सोशल मीडिया पर कप्तान और टीम दोनों पर नाराजगी जता रहे हैं। अगर टीम श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो सलमान अली अगा की कप्तानी लगभग समाप्त मानी जा रही है। पाकिस्तान के लिए अब सबकुछ उनके अंतिम मुकाबले पर निर्भर करता है। यदि बड़ी जीत मिलती है तो सेमीफाइनल का टिकट संभव है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम और कप्तान दोनों को विश्व कप के बाद बड़े बदलावों का सामना करना पड़ सकता है।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

हैदराबाद (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है।

सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।'

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

जयसूर्या का इस्तीफा, बोर्ड ने नये कोच की तलाश शुरु की

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच . सनथ जयसूर्या ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंकाई टीम लीग स्तर में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी सुपर-8 के सभी मैच हार गयी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने अब नये कोच की तलाश भी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि जयसूर्या जुलाई 2024 में टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने थे। इसके बाद अक्टूबर में उन्हें पूर्णकालिक कोच बनाद दिया गया था। उनका करार इसी साल जून 2026 तक था पर टीम के लचर प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने तत्काल पद छोड़ना ही सही समझा है। सुपर-8 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम बाहर हुई है। इससे टीम साल 2014 के बाद से ही पांचवीं बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। पाक के खिलाफ अंतिम मैच में दासुन शनाका के 31 गेंदों में नाबाद 76 रन की आक्रामक पारी से टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। वह 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए के पांच रन ही पीछे रह गयी। जयसूर्या के कोच रहते श्रीलंका ने सभी प्रारुपो को मिलाकर कुल 76 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए 34 जीते और कुल जीत प्रतिशत करीब 45 रहा। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार उसने कोच पद के लिए कई उम्मीदवारों से बात की है।

राधानगर में विराट हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन, गूंजा राष्ट्रवाद का स्वर

शास्त्र और शस्त्र की शक्ति से ही सुरक्षित होगा सनातन : हंसानंद गिरि जी महाराज

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर हाईस्कूल मैदान में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा रांची के उपप्रधान काशीनाथ आर्य ने किया। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व सैकड़ों की संख्या में माताओं बहनों ने कलश यात्रा के माध्यम से पूरे गांव को भक्तिमय कर दिया। मंचीय कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में वृन्दावन धाम से अखिल भारतीय संत महासभा के सदस्य श्रद्धेय स्वामी हंसानंद गिरि जी महाराज पहुंचे। वहीं मंचीय अतिथि के रूप में आरएसएस के विभाग संघ चालक डॉ. राजकुमार साहा,विभाग प्रचारक अजय कुमार,विभाग कार्यवाह मृत्युंजय जी, समाज सेवी अतुल मंडल सम्मिलित हुए।सनातन संस्कृति के संरक्षण और हिंदू समाज की एकजुटता का संकल्प लेकर

सकल हिन्दू समाज के बैनर तले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेतृत्व में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में जनसमूह का महाकुंभ उमड़ पड़ा। केसरिया ध्वजों और जय श्री राम के उद्घोष के बीच वक्ताओं ने वर्तमान चुनौतियों पर प्रहार करते हुए युवाओं और महिलाओं को धर्म का रक्षक बनने का आह्वान किया।

इतिहास के पन्नों से भविष्य की नींव

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने भारतीय इतिहास की गौरवशाली परंपरा को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत की माटी बलिदानों की गवाह रही है। रामायण और महाभारत का उदाहरण देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति की बात तभी शोभा देती है जब आपके पास सामर्थ्य हो। श्रीराम का धैर्य और श्रीकृष्ण की रणनीति- आज के हिंदू को इन दोनों के समन्वय की आवश्यकता है। वहीं लव जिहाद पर कड़ा प्रहार करते हुए समाज में बढ़ती कुरीतियों और षड्यंत्रों पर चर्चा करते हुए सम्मेलन में लव जिहाद के मुद्दे पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने इसे केवल सामाजिक समस्या नहीं,बल्कि एक सुनियोजित जनसांख्यिकीय हमला बताया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को सनातन संस्कारों से जोड़ें। ताकि वे किसी भी प्रकार के वैचारिक या छद्म प्रलोभन का शिकार न हों।

युवा और मातृशक्तिः राष्ट्र के दो स्तंभ

विभाग प्रचारक अजय कुमार ने कार्यक्रम में युवा शक्ति को राष्ट्र की रीढ़ बताते हुए उन्हें अपनी ऊर्जा देशहित में लगाने को प्रेरित किया गया। वहीं मातृशक्ति के संबोधन में वक्ताओं ने कहा इतिहास गवाह है कि जब-जब धर्म संकट में पड़ा है। जीजाबाई और रानी लक्ष्मीबाई जैसी माताओं ने ही धर्मरक्षक योद्धा तैयार किए हैं। आज की नारी को दुर्गा और काली का स्वरूप धारण कर अपनी संस्कृति की रक्षा करनी होगी। वहीं युवाओं को मोबाइल और पाश्चात्य संस्कृति के जाल से निकलकर ग्रंथों की ओर लौटने का आह्वान किया। वहीं समाजसेवी अतुल मंडल ने जाति-पाति के बंधनों को तोड़कर अखंड हिंदू समाज के निर्माण पर जोर देने की अपील की। वहीं सांस्कृतिक गौरव रामायण और महाभारत को केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की नियमावली बताया। अंत में सम्मेलन के समापन पर हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह ने हाथ उठाकर राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पित रहने की शपथ ली। समापन उपरांत सभी श्रोताओं ने प्रसाद रूपी खिचड़ी का सेवन कर घर को प्रस्थान किए।आयोजकों ने स्पष्ट बताया कि यह केवल एक आयोजन नहीं,बल्कि एक सोए हुए समाज को जगाने का शंखनाद है। इस प्रकार का आयोजन आगे भी होता रहेगा। इस दौरान आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगियों की सराहना करते हुए सकल हिन्दू समाज को धन्यवाद दिया। वहीं विशेष तौर पर सभी स्वयं सेवको को धन्यवाद दिया।

आपसी भाईचारे व शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं रंगों का त्यौहार होली

बिभा संवाददाता

उधवा । रंगों का त्यौहार होली पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर रविवार की शाम को उधवा प्रखंड क्षेत्र में राधानगर पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाली। इस दौरान प्रभारी थाना प्रभारी गंगा प्रसाद यादव के नेतृत्व में राधानगर थाना परिसर से फ्लैग मार्च निकाली गई। जो उधवा चौक,पाकीजा,जंगलपाड़ा,फुदकीपुर तथा इंग्लिश बाजार तक फ्लैग मार्च निकाली गई। फ्लैग मार्च के दौरान प्रभारी थाना प्रभारी गंगा प्रसाद यादव ने लोगों से रंगों का त्यौहार होली पर्व आपसी भाईचारे व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। कहा कि होली पर्व को लेकर असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है। अफवाहों पर ध्यान ना दें। किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें। पुलिस आपकी सेवा के लिए हमेशा तत्पर है। राधानगर पुलिस ने फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों से प्रेम व उत्साह के साथ होली पर्व मनाने का संदेश दिया। मौके पर एसआई पंकज दुबे,शिवानंद प्रसाद,एएसआई मनोज कुमार पासवान,उमेश तिवारी, सुनील कुमार मेहता, हाकिम मुर्मू, श्रीलाल हांसदा,कान्हू मुर्मू, शशि कांत यादव सहित अन्य मौजूद थे।

होली पर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

भाईचारे के साथ मनाएं होली का त्योहार : सीओ

बिभा संवाददाता

तालझारी । होली पर्व को लेकर तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद के नेतृत्व में रविवार को तालझारी थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने लोगों से पर्व पर शांति बनाए रखने का आह्वान किया गया। वहीं फ्लैग मार्च तालझारी थाना से निकलकर करणपुरा, महराजपुर, सकरीगली, भगियामारी, मसकलैया आदि गांवों का भ्रमण कर थाना पहुंच कर समाप्त हो गई। फ्लैग मार्च के दौरान सीओ सह बीडीओ के अलावे तालझारी थाना प्रभारी नितेश पांडे जवानों के साथ पैदल मार्च करते हुए चल रहे थे। इस दौरान लोगों से शांतिपूर्ण सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि होली रंगों और भाईचारे का त्योहार है। शांति पूर्वक तरीके से मनाएं। शरारती तत्वों पर नजर रखकर पुलिस का सहयोग करें। कहा कि क्षेत्र के किसी भी गांव में होलिका दहन को लेकर कोई समस्या हो तो समय रहते अवगत कराएं। मौके पर सीओ, थाना प्रभारी के अलावे एसआई, एएसआई सहित पुलिस बल शामिल थे।

फ्लोरा ब्यूटी पार्लर में एडवांस ब्यूटी ट्रेनिंग का आयोजन, बड़ी संख्या में ब्यूटीशियन हुई शामिल

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल स्थानीय गुदाराघाट स्थित फ्लोरा ब्यूटी पार्लर में रविवार को बी एल सीसी वेल साइंस के तत्वावधान में एक दिवसीय एडवांस ब्यूटी प्रोफेशनल ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में क्षेत्र के कई ब्यूटीशियनों ने भाग लेकर अपने कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त किया। वही कार्यक्रम की मुख्य प्रशिक्षक के रूप में पश्चिम बंगाल से आईं विशेषज्ञ पूर्णिमा घोष उपस्थित थीं, जो बी एल सीसी वेल साइंस की ओर से प्रतिभागियों को ब्यूटी प्रोफेशनल की एडवांस तकनीकों का प्रशिक्षण दे रही थीं। उन्होंने ब्यूटीशियनों को नए ट्रेंड्स और तकनीकों से अवगत कराया। वही इस अवसर पर फ्लोरा ब्यूटी पार्लर की एम.डी. ट्विंकल साह ने बताया, ₹हमें आज बहुत खुशी हो रही है कि हमारे फ्लोरा ब्यूटी पार्लर और बी एल सीसी वेल साइंस की ओर से आईं पूर्णिमा घोष मैडम के द्वारा हमारे ब्यूटीशियन को एडवांस प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। भविष्य में मेरी इच्छा है कि हमारे ब्यूटीशियन को प्रतिदिन इस तरह का एडवांस प्रशिक्षण मिलता रहे, जिससे वे और निखर सकें।₹ वही इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का दायरा केवल राजमहल तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें आसपास के व्यापक क्षेत्र से ब्यूटीशियनों ने भाग लिया। ट्विंकल साह ने बताया कि कार्यक्रम में उधवा, बरहरवा, तिनपहाड़, तालझारी, साहेबगंज के अलावा पश्चिम बंगाल के गाजोल, कालियाचक, फरक्का और मालदा से भी कई ब्यूटीशियन ने भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया। वही प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न एडवांस ब्यूटी केयर तकनीकों की जानकारी दी गई और व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

झामुमो कमिटी ने बीमार कार्यकर्त्ता लक्ष्मण बेसरा का जाना हाल चाल

बिभा संवाददाता

बोरियो । झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के सक्रिय सदस्य सह पूर्व प्रखण्ड कमिटी सदस्य लक्ष्मण बेसरा पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं। उनकी तबीयत खराब की जानकारी मिलने पर झामुमो प्रखण्ड कमिटी बोरियो के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू के नेतृत्व में उनके आवास पर जाकर उनका हाल-चाल जाना तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान कार्यकताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिवारजनों से भी बातचीत की। प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू ने कहा कि पार्टी अपने समर्पित कार्यकताओं के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी रहती है। कार्यकताओं ने ईश्वर से प्रार्थना की कि लक्ष्मण बेसरा जल्द स्वस्थ होकर पुनः सामाजिक व संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय हों। इस अवसर पर पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष जेठा मराण्डी, प्रखण्ड सचिव गफ्फार अंसारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रिजवान अंसारी, महिला मोर्चा की प्रखण्ड अध्यक्ष मंजू मुर्मू, सुरेश मराण्डी, गंगा सोरेन, गोलमा सोरेन, शकील अहमद, हेमलाल हेम्ब्रम, मानवेल हॉसदा, जार्ज मराण्डी, अर्जून रजक, पल्लवी मराण्डी, राबोन मरण्डी आदि मौजूद थे।

सेवानिवृत्त होने पर समारोह आयोजित कर राजमहल स्टेशन प्रबंधक अशोक पासवान को दी भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

राजमहल । रेलवे विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने के बाद राजमहल रेलवे स्टेशन के प्रबंधक अशोक पासवान के सेवानिवृत्त होने पर रविवार को स्टेशन परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलकर्मियों और अधिकारियों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें ससम्मान विदाई दी। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टेशन अधीक्षक दिलीप कुमार साह ने कहा कि अशोक पासवान की पहचान हमेशा उनकी कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदार कार्यशैली से रही है। उन्होंने रेलवे को एक परिवार मानकर कार्य किया, जो सभी के लिए स्मरणीय रहेगा। वहीं राजमहल स्टेशन प्रबंधक रूपक कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्त स्टेशन प्रबंधक ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को भी समान महत्व दिया। उन्होंने बताया कि पासवान एक शांत, संयमित और समय पर निर्णय लेने वाले अधिकारी रहे, जिससे कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बना रहा। वही वक्ताओं ने कहा कि उनके साथ कार्य करना सभी के लिए एक सुखद और प्रेरणादायक अनुभव रहा। उनकी

कार्यशैली से न केवल रेल परिचालन सुचारू रहा, बल्कि कर्मचारियों में कार्य के प्रति समर्पण और अनुशासन की भावना भी विकसित हुई। वही विदाई समारोह के दौरान भावुक होते हुए अशोक पासवान ने कहा कि उन्होंने 38 वर्षों की अपनी रेल सेवा के दौरान सहयोगियों से जो स्नेह और समर्थन मिला, वही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा, ₹जिस दिन आदमी सरकारी सेवा में आता है, उसी दिन उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि भी अंकित हो जाती है। कभी खुशी तो कभी गम झेलते हुए सेवानिवृत्ति का समय आ ही जाता है।₹ उन्होंने सभी रेलकर्मियों और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वही इस अवसर पर टीआई नीतीश कुमार, टीआई प्लानिंग मालदा मनोज कुमार साह, एसएस सकरीगली राजकुमार साह, स्टेशन अधीक्षक कल्याणचक गोपाल कुमार साह, एसएस धमधमियां डेविड चार्मिंग टुडू, एसएस तालझारी अशोक कुमार राम, आरक्षण सुपरवाइजर बड़हरवा अमित कुमार, स्टेशन प्रबंधक राजमहल विनय कुमार पासवान सहित कई रेलकर्मी उपस्थित थे।

बकरी बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर से टकराई बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल

राजमहल(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र के खास टोला के पास सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब सामने आई एक बकरी को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक ईंट लदा ट्रैक्टर करबला की ओर से खास टोला की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क पर एक बकरी आ गई, जिसे बचाने के लिए ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। पीछे से तेज रफ्तार में आ रही मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और सीधे ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी। वही इस टक्कर में मोटरसाइकिल सवार मिछुटोला निवासी 21 वर्षीय लड्डू शेख, पुत्र मजबूर शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायल युवक को बाहर निकाला और तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। वही अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए किसी अन्य स्वास्थ्य केंद्र या बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

यूआईडीएआई के सीईओ ने सरायढेला के आधार सेवा केन्द्र का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

सरायढेला/धनबादः भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भुवनेश कुमार द्वारा दिनांक 28.02.2026 को सरायढेला, धनबाद स्थित यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र (एएसके) का निरीक्षण किया गया। यह केंद्र प्रोटियन ई-गव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा संचालित है। इस केंद्र में सभी आयु वर्ग के लिए नामांकन तथा सभी प्रकार के अद्यतन (अपडेट) की सुविधा उपलब्ध है।

निरीक्षण के दौरान कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई तथा निवासियों को प्रदान की जा रही आधार संबंधी सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली गई।

आधार नामांकन, बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन, जनसांख्यिकीय विवरण संशोधन, मोबाइल नंबर एवं ईमेल अद्यतन सहित विभिन्न सेवाओं की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया गया। केंद्र पर तैनात अधिकारियों एवं ऑपरेटरों के साथ परिचालन दक्षता, कतार प्रबंधन, बुनियादी सुविधाओं तथा निर्धारित दिशानिर्देशों एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुपालन पर चर्चा की गई।

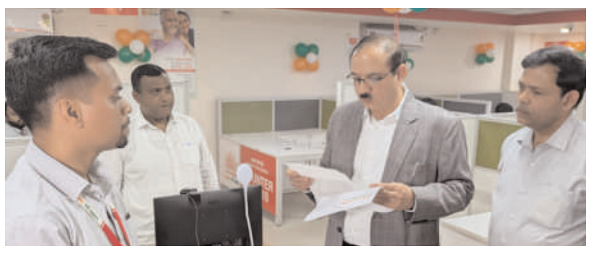

केंद्र पर उपस्थित निवासियों से संवाद कर सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया गया तथा अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर झारखंड में आधार सेवाओं के विस्तार की जानकारी दी गई। पूर्व में राज्य के 3 जिलों में यूआईडीएआई के आधार केंद्र संचालित थे, जिन्हें अब बढ़ाकर 14 जिलों के केंद्रों में कुल 68 किट्स के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इस विस्तार से राज्य के अधिकाधिक निवासियों को उनके निकटतम स्थान पर आधार सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा सेवा वितरण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

इस निरीक्षण के दौरान अखिलेश कुमार गुप्ता, उप महानिदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण,
नीरज कुमार, निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, श्रीजित नायर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सरकारी कार्य प्रमुख, प्रोटियन ई-गव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, अपूर्व चौधरी, उपाध्यक्ष, प्रमुख स्टाफ एवं परियोजना प्रमुख झ एएसके, प्रोटियन ई-गव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड , उपस्थित थे .

यूआईडीएआई द्वारा आधार डेटा की सुरक्षा, गोपनीयता मानकों के पालन तथा ब्रांडिंग एवं परिचालन दिशानिर्देशों के कड़ाई से अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। संगठन सभी निवासियों को सुरक्षित, सुलभ एवं प्रभावी आधार सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह निरीक्षण झारखंड में आधार सेवा वितरण तंत्र को और सुदृढ़ करने तथा जमीनी स्तर पर पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरएसएस समाज को संगठित और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का कर रही काम : राजू दास

संघ के शताब्दी वर्ष पर रांची में विराट हिंदू सम्मेलन हुआ आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची। अयोध्या के हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समाज को संगठित करने, राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने प्रश्न रखा कि देश सुरक्षित कैसे रहे, आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान और परंपरा से जुड़ी कैसे रहें और भारत पुनः किस प्रकार की दासता का शिकार न हो—इन सभी विषयों पर संघ ने निरंतर चिंतन और कार्य किया है।

दास रविवार को रांची के चुटिया स्थित श्री राम मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए हुए दीर्घकालिक संघर्ष और लाखों रामभक्तों के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक संघर्षों की स्मृति हमें संगठित रहने और अपनी आस्था व परंपराओं की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर देश के लगभग एक लाख गांवों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें करोड़ों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

हिंदू समाज जाना जाता है अपनी उदारता के लिए : आलोक

मौके पर संघ के सह-सरकार्यवाह आलोक ने संगठन की शक्ति और एकता के महत्व को महाभारत के प्रसंग के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने देवताओं और असुरों के युद्ध की कथा का उदाहरण देते हुए कहा कि बिखराव पराजय का कारण बनता है, जबकि एकता विजय का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि जब लोग साथ चलते और साथ बोलते हैं, तो उनके मन भी एक हो जाते हैं और यही एकता किसी भी चुनौती का सामना करने की वास्तविक शक्ति है।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज अपनी विविधता और उदारता के लिए जाना जाता है। अलग-अलग उपासना पद्धतियां, देवी-देवताओं के प्रति अलग-अलग आस्थाएं और विभिन्न परंपराएं हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक हैं, लेकिन समय-समय पर एक नाम और एक उद्देश्य के लिए संगठित होना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए छुआछूत की भावना समाप्त करने का आह्वान किया। संत रविदास, मीराबाई और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में जन्म नहीं, बल्कि कर्म और भक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

उन्होंने पंच परिवर्तन की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज में समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्य का पालन—ये सभी परिवर्तन आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि परिवार भारतीय समाज की मूल इकाई है और परिवार में संवाद, संस्कार एवं सामूहिकता की परंपरा को पुनर्जीवित करना समय की आवश्यकता है। भारत ने अनेक आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक पहचान को इसलिए सुरक्षित रखा क्योंकि परिवारों ने अपने मूल्यों को जीवित रखा।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को लेकर रांची की बदलती पर्यावरणीय स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि जो शहर कभी स्वच्छ वातावरण के लिए प्रसिद्ध था, वहां आज वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर पहुंच रही है। इसे संतुलित करने के लिए सामूहिक जागरूकता और प्रयास आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने संविधान के अनुरूप नागरिक कर्तव्यों के पालन, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक आचरण को समाज की प्रगति का आधार बताया। कार्यकम मे बच्चों की ओर से रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और लव जेहाद पर प्रस्तुत की गई लघु नाटिका आकर्षण का केंद्र रही।

सम्मेलन में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे । कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रभाव को सुदृढ़ करना बताया गया।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ चुटिया स्थित राममंदिर के प्रांगन से कलश यात्रा निकली गयी। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस शोभा यात्रा में हनुमान गाढ़ी में महंत और राम मंदिर के महंत जी को रथ पर बिठाकर कार्यक्रम स्थल तक गाजे बजे के साथ लाया गया। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

वहीं प्रारंभिक संबोधन में श्री राम मंदिर, चुटिया के महंत ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह केवल संख्या नहीं, बल्कि जागृत और संगठित समाज की प्रतीक शक्ति है। उन्होंने कहा कि साथ चलना, साथ बोलना और एक लक्ष्य के लिए संगठित होना ही समाज की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सनातन समाज को संगठित करने की आवश्यकता पहले से अधिक है और ऐसे सम्मेलन समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

सम्मेलन में संत समाज के प्रतिनिधियों, मातृ शक्ति, गायत्री परिवार, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, मंदा पूजा समिति चुटिया तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक कार्यकताओं और पदाधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

आईईडी विस्फोट में घायल कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट और हेड कांस्टेबल को भेजा गया बेहतर इलाज के लिए दिल्ली

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के घने सारंडा जंगल में रविवार तड़के सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित माओवादी संगठन भाकपा (माओवादी) के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट समेत तीन जवान घायल हो गए। सभी घायलों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से रांची लाकर राज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

झारखंड पुलिस के आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता माइकल राज एस ने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए कोबरा के हेड कांस्टेबल और आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए असिस्टेंट कमांडेंट को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया है। दोनों को बेहतर इलाज के लिए एम्स भेजा गया है।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला में सारंडा के घने जंगलों में रविवार तड़के सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के बीच भीषण मुठभेड़ हुई है।

मिली जानकारी की अनुसार छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र में सुबह करीब पांच बजे शुरू हुए कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान सबसे पहले नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया। इसमें कोबरा के असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक घायल हो गए। आनन-फानन में असिस्टेंट कमांडेंट को बीएसएफ के हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया।

इसी बीच नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें कोबरा के हेड कांस्टेबल विक्रम यादव को गोली लगने से घायल हो गए। घायल हेड कांस्टेबल को भी तत्काल एयरलिफ्ट कर रांची के राज अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं एक अन्य जवान संजीव भी घायल बताए जा रहे।

घायल अधिकारी और जवान को देखने के लिए आईजी अभियान झारखंड और सीआरपीएफ आईजी अस्पताल पहुंचे। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान ने बताया कि घायलों को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली शिफ्ट किया जा रहा है। दोनों जवानों को रविवार रात को दिल्ली के एम्स भेजा गया है।

आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में कई नक्सली हताहत हुए हैं। इलाके में पुलिस सर्च अभियान चला रही है। फिलहाल अब तक किसी भी नक्सली का शव नहीं मिला है।

अमेरिकी हमले में ईरानी युद्धपोत ओमान की खाड़ी में डूबा, सेंटकॉम का दावा

एजेंसी

वॉशिंगटन/मस्कट। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया है कि उसके बलों ने ओमान की खाड़ी में ईरानी नौसेना के एक जामरान-क्लास कॉरवेट युद्धपोत को निशाना बनाया, जो अब चाह बहार बंदरगाह के पास डूब रहा है। यह कार्रवाई अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान की शुरूआत के तहत की गई बताई गई है।

यूनाइटेड सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने अपने बयान में कहा कि हमले का उद्देश्य ईरान की सैन्य संरचना और क्षमताओं को कमजोर करना था और अभियान अपने लक्ष्य में सफल रहा। जिस पोत को निशाना बनाया गया, उसे जामरान-क्लास कॉरवेट बताया गया है, जिसे ईरानी नौसेना की सतह युद्ध क्षमता का अहम हिस्सा माना जाता है।

घटना ओमान का खाड़ी में स्थित चाबहार पोर्ट के निकट हुई। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में पहले से जारी सैन्य तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिका का कहना है कि यह ऑपरेशन ईरान की सैन्य क्षमताओं को सीमित करने के उद्देश्य से किया गया, जबकि ईरान की ओर से इस हमले पर तत्काल आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण पूरे मध्य-पूर्व में अस्थिरता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समुद्री मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है, क्योंकि ओमान की खाड़ी वैश्विक व्यापार के लिहाज से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद-पटना-धनबाद एक्सप्रेस का अथमल गोला स्टेशन पर दिया जाएगा अस्थायी ठहराव

धनबादः आगामी त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु दिनांक 02.03.26 से 15.03.26 तक अथमल गोला स्टेशन पर गाड़ी संख्या 13331/13332 धनबाद-पटना-धनबाद एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थायी ठहराव दिया जाएगा।

रेलवे कोलकाता और आसनसोल से एकतरफा जयपुर के लिए अनारक्षित होली विशेष ट्रेनें चलाएगी

आसनसोलः होली एवं डोल यात्रा के अवसर पर यात्रियों की सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे द्वारा विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। रंगों के इस उल्लासपूर्ण पर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारजनों एवं मित्रों से मिलने अथवा विभिन्न गंतव्यों की यात्रा करते हैं। इस बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कोलकाता से जयपुर तथा आसनसोल से जयपुर के मध्य दो (02) एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था विशेष रूप से अल्प सूचना पर यात्रा करने वाले तथा अंतिम समय में यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों के लिए लाभदायक होगी। 03115 कोलकाता -जयपुर एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेन दिनांक 02.03.2026 को 23:55 बजे कोलकाता से प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 11:50 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत दुर्गापुर एवं आसनसोल स्टेशनों पर ठहरेगी। 03535 आसनसोल -जयपुर एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेन दिनांक 03.03.2026 को 12:30 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 00:30 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी।

रेलवे चार अतिरिक्त एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी

आसनसोल : होली एवं डोल यात्रा के अवसर पर यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुगम एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। बढ़ती मांग तथा यात्रियों को उनके गृह नगरों एवं प्रमुख गंतव्यों तक पहुँचाने की सुविधा के उद्देश्य से रेलवे ने हावड़ा से दिल्ली, कोलकाता से दिल्ली, आसनसोल से प्रयागराज तथा आसनसोल से विशाखापत्तनम के मध्य चार (04) अतिरिक्त एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह पहल विशेष रूप से अल्प सूचना पर यात्रा की योजना बनाने वाले तथा अनारक्षित श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। 03015 हावड़ा झ्र दिल्ली एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 01.03.2026 को 00:30 बजे हावड़ा से प्रस्थान करेगी तथा दिनांक 02.03.2026 को 13:00 बजे दिल्ली पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में आसनसोल मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी। 03117 कोलकाता झ्र दिल्ली एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 03.03.2026 को 15:30 बजे कोलकाता से प्रस्थान करेगी तथा दिनांक 05.03.2026 को 05:15 बजे दिल्ली पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में आसनसोल मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी। 03531 आसनसोल झ्र प्रयागराज एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 02.03.2026 को 12:30 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी तथा दिनांक 03.03.2026 को 07:00 बजे प्रयागराज पहुँचेगी। यह ट्रेन मार्ग में आसनसोल मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी। 03533 आसनसोल झ्र विशाखापत्तनम एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 03.03.2026 को 09:10 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी तथा दिनांक 04.03.2026 को 02:00 बजे विशाखापत्तनम पहुँचेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेनों की सुविधा का लाभ उठाएँ तथा अपनी यात्रा की योजना समयानुसार बनाएं।

पुद्दुचेरी में शुरू हुआ देश का पहला 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के आधुनिकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को पुद्दुचेरी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम एमजीकेवाई) के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट का भव्य उद्घाटन किया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उद्घाटन के दौरान कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सीबीडीसी का एकीकरण भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एक क्रांतिकारी बदलाव है। हमारा लक्ष्य 'हर दाना, हर रुपया, हर हक' सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा और वितरण प्रक्रिया में अभूतपूर्व पारदर्शिता आएगी। अब तक पुद्दुचेरी में खाद्य सब्सिडी सीधे बैंक खातों में भेजी जाती थी, लेकिन अब इसे सीबीडीसी वॉलेट में स्थानांतरित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। हालिया आंकड़ों के अनुसार, मुफ्त अनाज वितरण से परिवारों का भोजन पर होने वाला खर्च 50 प्रतिशत तक कम हो गया है जिससे लोग अब अपनी बचत का उपयोग दूध सब्जी और अन्य पौष्टिक वस्तुओं पर कर पा रहे हैं।पुद्दुचेरी में सफलता के बाद इस पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार जल्द ही चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली समेत 3-4 अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा।

राष्ट्रपति दिल्ली सरकार की पिंक कार्ड, लखपति बिटिया और दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना का आज करेंगी शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को ह्यसशक्त नारी समृद्ध दिल्लीह्ल कार्यक्रम में फ्री बस सेवा के लिए स्मार्ट कार्ड (पिंक कार्ड), दिल्ली लखपति बिटिया और होली-दिवाली पर मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना का शुभारंभ करेंगी। यह कार्यक्रम दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि योजना के तहत तीन प्रकार के नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) कार्ड जारी किए जाएंगे। पिंक कार्ड दिल्ली निवासी पात्र महिलाओं के लिए होगा, जबकि ब्लू कार्ड सामान्य यात्रियों के लिए और ऑरेंज कार्ड मासिक पास उपयोगकर्ताओं के लिए जारी किया जाएगा। शुरूआती चरण में पिंक और ब्लू कार्ड लॉन्च किए जाएंगे, जिसके बाद ऑरेंज कार्ड लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्ड जारी करने के लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने हिंडन मर्केंटाइल लिमिटेड (मुफिनपे) और एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को अधिकृत किया है। ये कार्ड दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में पहले से लागू ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम (एएफसीएस) से एकीकृत होंगे। पिंक कार्ड पात्र महिलाओं को पूर्णतः निःशुल्क दिया जाएगा और इसकी संपूर्ण लागत दिल्ली सरकार वहन करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लाडली योजना को विस्तारित और सुदृढ़ रूप में ह्यदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्ल के रूप में पुनर्गठित किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व संरचना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र बालिका के नाम पर संस्थागत जन्म होने पर 11,000 रुपये और घरेलू जन्म होने पर 10,000 रुपये जमा किए जाते थे। इसके अतिरिक्त कक्षा एक, छह और नौवीं में प्रवेश, कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने तथा कक्षा बारह में प्रवेश जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ावों पर 5,000 रुपये की राशि जमा की जाती थी। यह संचित राशि ब्याज सहित 18 वर्ष की आयु में निकाली जा सकती थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नई योजना में सहायता की राशि और दृष्टिकोण दोनों को व्यापक रूप से बढ़ाया गया है। अब बालिका के नाम पर विभिन्न चरणों में कुल 56,000 रुपये जमा किए जाएंगे और ब्याज सहित 21 वर्ष की आयु तक यह परिपक्वता मूल्य 1 लाख रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्नातक या व्यावसायिक डिप्लोमा पूरा करना अपवाद नहीं बल्कि सामान्य उपलब्धि बने।

नई योजना पूरी तरह डिजिटल होगी। फंड का प्रबंधन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा और निवेश एसबीआई लाइफ धनराशि साधन के अंतर्गत होगा। विभाग द्वारा जमा की गई राशि बालिका की उम्र के साथ बढ़ती रहेगी और परिपक्वता पर पूरी संचित राशि सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। इससे पारदर्शिता और प्रत्यक्ष वित्तीय समावेशन सुनिश्चित होगा।

योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा जिनकी वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक न हो तथा जो पिछले तीन वर्षों से दिल्ली में रह रहे हों। बालिका का जन्म दिल्ली में होना अनिवार्य है। पंजीकरण जन्म के एक वर्ष के भीतर या निर्धारित शैक्षणिक पड़ावों पर कराया जा सकता है। यह लाभ प्रति परिवार दो जीवित बालिकाओं तक सीमित रहेगा। महत्वपूर्ण रूप से योजना का दायरा बढ़ाकर भारत में किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त या यूजीसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक या व्यावसायिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर रही लड़कियों को शामिल किया गया है। परिपक्वता लाभ केवल शैक्षणिक शर्तों की पूर्ति पर ही देय होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि होली और दिवाली पर दिल्ली के सभी राशन कार्ड धारक परिवारों को प्रतिवर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने की योजना है। इस योजना का लाभ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से दिया जाएगा। यह राशि एक एलपीजी सिलेंडर की मौजूदा कीमत के बराबर होगी और परिवार के मुखिया के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में जमा की जाएगी, जिनके नाम पर राशन कार्ड जारी किया गया है। लगभग 15.50 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को कवर करने वाली यह योजना खाना पकाने के ईंधन के खर्च के वित्तीय बोझ को कम करने और परिवारों को सम्मान और आराम से त्योहार मनाने में सक्षम बनाने के लिए बनाई गई है।

नेपाल ने मध्य पूर्व के 12 खाड़ी देशों के लिए श्रम स्वीकृति को निलंबित किया

एजेंसी

काठमांडू। मध्यपूर्व क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के बीच नेपाल सरकार ने 12 मध्यपूर्वी देशों के लिए वैदेशिक रोजगार की श्रम स्वीकृति (लेबर अप्रूवल) को निलंबित कर दिया है।

वैदेशिक रोजगार विभाग ने एक सूचना जारी करते हुए व्यक्तिगत तथा संस्थागत– दोनों श्रेणियों की श्रम स्वीकृति को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की जानकारी दी है।

विभाग के प्रवक्ता चन्द्र बहादुर शिवाकोटी ने बताया कि मध्यपूर्व और खाड़ी क्षेत्र की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह निलंबन सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन, ओमान, इराक, यमन, जॉर्डन, लेबनान, तुर्की और इजरायल पर लागू होगा। यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका/इजरायल और ईरान के बीच तेज हुई शत्रुता के बाद उठाया गया है। यह निर्णय श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय द्वारा मंत्रिस्तरीय स्तर पर लिया गया है।

मध्यपूर्व देशों में युद्ध फैलने के साथ ही नेपाल ने अगली सूचना तक इन 12 गंतव्यों के लिए श्रम स्वीकृति रोक दी है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में मध्यपूर्व में कुल 17,29,288 नेपाली कार्यरत हैं। इनमें ईरान में 6, इजरायल में लगभग 6,500, मिस्र में 500, ओमान में 25,000, कतर में 3,57,913, कुवैत में 1,75,000, बहरीन में 28,000, सऊदी अरब में 3,84,865, संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 7,00,000, लेबनान में 1,500, इराक में 30,000 तथा साइप्रस में 17,000 नेपाली शामिल हैं।

एनआईए ने नेपाली नागरिक को जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साल 2014 के जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में फरार चल रहे एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह मामला दुबई स्थित एक पाकिस्तानी नागरिक से जुड़ा है। एजेंसी के अनुसार, नेपाल के बारा जिले का निवासी नूर मोहम्मद गैर जमानती वारंट के तहत वांछित था। उसे बिहार के समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। एनआईए ने उसके विरुद्ध नवंबर 2017 में नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस अदालत के विशेष न्यायालय में आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए ने यह मामला जून 2014 में भारतीय दंड संहिता तथा गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया था। अप्रैल 2014 में 4,988 उच्च गुणवत्ता के 1,000 रुपये मूल्यवर्ग के जाली नोट बरामद किए गए थे। इनकी कुल अंकित राशि 49.88 लाख रुपये थी। यह खेप 17 और 18 अप्रैल 2014 को दुबई से लाई गई थी। बरामदगी नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर हुई थी। जांच में सामने आया कि नूर मोहम्मद ने सह आरोपी एकरामुल अंसारी तथा अन्य के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा था। इस षड्यंत्र में पाकिस्तानी नागरिक सैयद मुहम्मद शफी उर्फ शफी चाचा भी शामिल था।

कांग्रेस ने की ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या पर निंदा, आधिकारिक बयान जारी कर अंतरराष्ट्रीय विधि उल्लंघन बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान जारी कर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की लक्षित हत्या की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने कहा कि बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के किया गया यह सैन्य प्रहार अंतरराष्ट्रीय विधि और संप्रभुता के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस घटना की स्पष्ट शब्दों में निंदा करती है। उन्होंने सर्वोच्च नेता के परिवार, ईरान की जनता तथा विश्व के शिया समुदाय के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में कांग्रेस उनके साथ एकजुटता प्रकट करती है।

बयान में कहा गया है कि भारत की विदेश नीति संवाद के माध्यम से विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय विधि के सम्मान पर आधारित है। संविधान के अनुच्छेद 51 में निहित सिद्धांत भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सर्वभौमिक समानता, अहस्तक्षेप और शांति स्थापना भारत के मूल मूल्य हैं।

कांग्रेस ने कहा कि किसी संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व और शासन व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए लक्षित बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत है। यह संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र के अनुच्छेद 2(4) और 2(7) की भावना के विपरीत है, जो किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता और राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग तथा हस्तक्षेप पर रोक लगाते हैं।

होली के रंगों से सजे बाजार, ग्राहकों के बीच भारतीय उत्पादों का बोलबाला

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद तथा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि देश के छोटे व्यापारियों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और घरेलू उद्योगों के लिए भी बड़े आर्थिक अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि इस बार बाजारों में भारतीय उत्पादों का बोलबाला है। प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इस वर्ष होली पर देशभर में लगभग 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है।विशेष बात यह है कि इस बार बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की भरपूर मांग देखी जा रही है। देश के लगभग सभी शहरों और कस्बों में बाजार पूरी तरह सज चुके हैं और व्यापार में तेजी दिखाई दे रही है। इस बार बाजारों में हर्बल, ऑर्गेनिक और त्वचा के अनुकूल रंगों की मांग लगातार बढ़ रही है। हल्के, केमिकल-फ्री और प्राकृतिक रंग छोटे पैक से लेकर बड़े पाउच तक बड़ी संख्या में बिक रहे हैं। खंडेलवाल ने कहा कि बच्चों और युवाओं के बीच पिचकारियों की भी जबरदस्त मांग है। बाजार में विभिन्न डिजाइन की पानी की बंदूकें, पंप वाली पिचकारी और आकर्षक कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारियाँ ग्राहकों को खास तौर पर आकर्षित कर रही हैं। खंडेलवाल ने कहा कि होली के अवसर पर रंग-बिरंगे टी-शर्ट, स्कार्फ, होली स्पेशल कुर्ते और कैजुअल कपड़े भी बड़ी मात्रा में खरीदे जा रहे हैं। होली थीम के प्रिंट, स्लोगन और रंगीन डिजाइन वाले परिधान युवाओं में विशेष रूप से लोकप्रिय हो रहे हैं।

भारत के औद्योगिक इतिहास में ऐतिहासिक दिन: पहला सेमीकंडक्टर प्लांट राष्ट्र को समर्पित

गांधीनगर : रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 28 फरवरी और 01 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांधीनगर स्थित गुजरात सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस 2026 में मीडिया को संबोधित किया।

अपने संबोधन में मंत्री महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के औद्योगिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया है। भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने का जो संकल्प लिया गया था, वह अब साकार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि स्वीकृत 10 सेमीकंडक्टर प्लांट्स में से चार का उद्घाटन एवं उत्पादन वर्ष 2026 में प्रस्तावित है, जिनमें से एक का शुभारंभ हो चुका है तथा तीन अन्य इसी वर्ष प्रारंभ होंगे। अन्य परियोजनाओं पर भी तीव्र गति से कार्य जारी है।

धोलेरा में टाटा फैब सहित विकसित हो रहा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम देश के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस दिशा में राज्य सरकार के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों के लिए माननीय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

मंत्री महोदय ने बताया कि भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष गुजरात को रेलवे क्षेत्र में रिकॉर्ड ?17,366 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009झ्र14 के दौरान राज्य को औसतन केवल ?589 करोड़ प्रतिवर्ष का बजट मिलता था।

वर्तमान में राज्य में ?1,28,748 करोड़ की लागत से विभिन्न रेलवे परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। राज्य के 87 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से 20 स्टेशन पूर्ण हो चुके हैं। अहमदाबाद, सूरत, उधना और सोमनाथ सहित अनेक प्रमुख स्टेशनों पर तीव्र गति से कार्य चल रहा है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। परियोजना पूर्ण होने के बाद मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा समय घटकर मात्र 1 घंटा 57 मिनट रह जाएगा'

सेमीकंडक्टर, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे इन ऐतिहासिक निवेशों और परियोजनाओं से भारत आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति और आधुनिक अवसंरचना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत वैश्विक स्तर पर औद्योगिक और अवसंरचनात्मक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com